गाजियाबाद (उ.प्र.) एवं देहरादून (उत्तराखंड) से एक साथ प्रकाशित
@manasvi_vani
www. manasvivani.com

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र
आपका विश्वास हमारी पहचान
वर्ष : 8 अंक : 186 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रु. गाजियाबाद, शुक्रवार, 17 नवंबर, 2023 RNI No. UPHIN/2016/67940 : manasvivani@gmail.com 8285002838

पड़ोसी राज्यों में चुनावी नतीजों के बाद होगा योगी मंत्रिमंडल में विस्तार

लोकसभा चुनाव को देखते हुए कई नए चेहरों को मिलेगा स्थान

क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने के लिए भाजपा संगठन में भी फेरबदल की संभावना

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। तीन दिसंबर को पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद योगी मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जातीय समीकरण साधने के लिए मंत्रिमंडल में कुछ ही नए चेहरे शामिल किए जाएंगे लेकिन मौजूदा मंत्रियों के विभागों में व्यापक बदलाव किया जा सकता है। क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने के लिए भाजपा संगठन में भी फेरबदल की संभावना है।

वैसे तो सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर और पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को मंत्री बनाए जाने को लेकर महीनों से चर्चा चल रही है लेकिन अब तक मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है। अब बताया जा रहा है कि 28 नवंबर से विधानमंडल का शीतकालीन सत्र होने और तीन दिसंबर को राज्यों के चुनावी नतीजों के आने के बाद ही अब मंत्रिमंडल विस्तार होगा। भाजपा संगठन नतीजों को देखते हुए ही योगी मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले चेहरों को हरी झंडी देगी। विपक्ष के जातिवार गणना के मुद्दे ने अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव में असर दिखाया तो यहां लोकसभा चुनाव को देखते हुए मंत्रिमंडल विस्तार में खासतौर से पिछड़ा वर्ग को साधने की और कोशिश दिखेगी।

ऐसे में सपा छोड़ भाजपा का दामन थामने वाले दारा सिंह चौहान और एनडीए में शामिल हो चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का मंत्री बनना तय माना जा रहा है। इनके साथ ही राज्यों के चुनाव में अहम भूमिका निभाने वाले पार्टी के कुछ नेताओं को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री भले ही दो-चार बनें लेकिन उसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा मौजूदा मंत्रियों का प्रदर्शन देखते हुए उनके विभागों में बड़ा उलटफेर किया जा सकता है। सरकार और संगठन दोनों में ही दायित्व संभालने वालों को एक पद से हटाया जाएगा। ऐसे में संगठन में भी कुछ बदलाव होना तय है।

गाजियाबाद के किस विधायक का सपना होगा पूरा

गाजियाबाद के विधायक भी मंत्रीमंडल में स्थान पाने के लिए व्याकुल है। हाल ही में काइट में हुए कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी के आगमन से अतुल गर्ग के मंत्री बनने की चर्चा फिर से शुरू हो गई है वहीं सबसे बड़ी विधानसभा में जीत दर्ज करने वाले सुनील शर्मा भी कैबिनेट का हिस्सा बनने के लिए अतुर दिखाई दे रहे है। उधर मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी की लोकप्रियता को भी कम नहीं आका जा सकता है। इस बार उनके नामों को लेकर भी चर्चा शहर में चल रही है। अब देखने वाली बात यह होगी किसकी किस्मत का ताला खुलेगा और योगी कैबिनेट का हिस्सा बनेगा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले-

छठ पूजा के सारे इंतजाम पूरे, सुरक्षा भी चाक-चौबंद

मनस्वी वाणी, संवाददाता

छठ माता सभी की मनोकामना पूर्ण करें : डिप्टी सीएम

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि छठ पूजा के सभी इंतजाम पूरे कर दिए गए हैं। घाटों पर पर्याप्त पानी है और सुरक्षा व साफ-सफाई के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकार ने छठ पूजा के लिए सारे इंतजाम पूरे कर लिए हैं। घाटों पर पर्याप्त पानी उपलब्ध है। सुरक्षा और साफ-सफाई के सारे इंतजाम हो गए हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि छठ माता सभी की मनोकामना पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि मैं हर साल पूजा में भाग लेने के लिए जाता हूं। इस बार भी जाऊंगा। लखनऊ में लक्ष्मण मेला स्थल पर बने छठ घाट, झूलेलाल घाट, पुराने शहर में पंचवटी घाट, गऊघाट, कुड़ियाघाट पर सूर्योपासना के लिए लोग जुटते हैं। इसके अलावा गोमतीनगर विस्तार में लखनऊ जनकल्याण महासमिति समेत आरडब्ल्यूए भी पूजन को सम्पन्न कराने ने की तैयारियों में जुटी हैं। वहीं महापौर ने भी बृहस्पतिवार को घाटों का निरीक्षण किया।

दिल्ली पर गिरेंगी कृत्रिम वर्षा की बूंदें, स्मॉग होगा कम

मनस्वी वाणी, संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते हुए वायु प्रदूषण और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद अब केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए आईआईटी कानपुर के सहयोग से आर्टिफिशियल बारिश कराने की तैयारी की है। देश की राजधानी दिल्ली में पहली बार 20 और 21 नवंबर को आर्टिफिशियल बारिश कराई जाएगी। बता दें कि इसके लिए हवाई जहाज से बादलों में केमिकल डालकर क्लाउड सीडिंग की जाएगी। फिर वही बादल राजधानी को बारिश से सराबोर करेंगे। इसको लेकर वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पूरे प्रोसेस में दो बड़ी समस्याएं हैं। पहली यह कि हवा एकदम सीधी-सीधी, गति और दिशा। दूसरी आसमान में 40 फीसदी बादल हों और उसमें पानी हो। इस बाबत दिल्ली सरकार की जुलाई से लेकर अब तक आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों के साथ तीन बैठकें हो चुकी हैं। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया है। किन्तु, अभी इसके लिए सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली सरकार को अनुमति लेनी है। अगर कोर्ट से अनुमति दे देती है तो 20-21 नवंबर को दिल्ली के आसमान से कृत्रिम बारिश कराई जाएगी। कृत्रिम बारिश के लिए वैज्ञानिक आसमान में एक तय ऊंचाई पर सिल्वर आयोडाइड, ड्राई आइस और साधारण नमक को बादलों में छोड़ते हैं। इसे क्लाउड सीडिंग (उ'ङ्क्ष्4 रीप्रल्लिॅ) कहते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आसमान में कम से कम 40 फीसदी बादल हों, जिनमें थोड़ा पानी मौजूद हो। दिक्कत ये है कि नवंबर में राजधानी के ऊपर बादलों की मात्रा कम रहती है। क्योंकि सर्दियों में बादलों में पर्याप्त पानी नहीं होता। सर्दियों में इतनी नमी नहीं होती कि बादल बन सके।

ई-रिक्शा की बैटरी चार्ज करते समय लगा करंट, स्थिति सामान्य

मनस्वी वाणी, संवाददाता

रामपुर । रामपुर के सैफनी में ई रिक्शा का चार्ज करने के दौरान चालक को करंट लग गया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसका उपचार घरेलू तौर पर करवाया।

सैफनी नगर के एक मोहल्ले में ई-रिक्शा की बैटरी चार्ज करते समय चालक करंट लगने से झुलस गया। बेहोश होने पर परिजन उसे अस्पताल नहीं बल्कि घरेलू उपचार में लग गए। इसके बाद युवक की हालत सुधर गई। नगर के मोहल्ला सुरंग निवासी कृपाल सिंह (20) पेशे से ई-रिक्शा चालक है। बृहस्पतिवार दोपहर को अपने घर पर ई-रिक्शा की बैटरी चार्ज करने के लिए तार जोड़ रहा था। तार जोड़ते समय अचानक ई-रिक्शा में करंट दौड़ गया। उस दौरान चालक कृपाल सिंह करंट की चपेट में आकर झुलस गया और बेहोश हो गया। इसके बाद परिजनों ने उसे रेत में दबा दिया। कुछ तेज करंट नहीं लगने के कारण कुछ समय बाद युवक सामान्य हो गया। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। जिला अस्पताल के जनरल फिजीशियन डॉ. डीके वर्मा के अनुसार करंट से झुलसे व्यक्ति को घरेलू उपचार देने या रेत में दबाने की बजाय तुंरत अस्पताल ले जाना चाहिए।

पटाखा बाजार में अग्निकांड मामला

किशोर के बाद पिता ने भी तोड़ा दम, पहले हो चुकी हैं पांच मौतें

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मथुरा। राया पटाखा बाजार हादसे में झुलसे एक अन्य व्यक्ति की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। बीते दिन उसके 17 वर्षीय बेटे ने दम तोड़ दिया था। इसके साथ ही इस अग्निकांड में मरने वालों की संख्या छह पहुंच गई है।

मथुरा के राया पटाखा बाजार में दिवाली को हुए अग्निकांड में झुलसे लोगों की मौत का सिलसिला रुक नहीं रहा है। बृहस्पतिवार को नौहझील के एक किशोर राजेश की मौत के बाद शुक्रवार तड़के उसके पिता मोहन की भी मौत हो गई। दिल्ली एम्स में उनका उपचार चल रहा था। मोहन के दो बेटे एम्स में ही मौत से जूझ रहे हैं। हादसे में मंगलवार को मृत हाथरस के युवक नौहझील के मोहन के सगे साले थे। हादसे में कुल 17 लोग झुलसे थे, जिनमें से छह की मौत हो चुकी है। छह अभी गंभीर स्थिति में हैं। नौहझील कस्बा के आजाद नगर निवासी मोहन द्वारा राया के गोपाल बाग में अस्थायी पटाखे की दुकान लगाई थी। मोहन की मदद के लिए उनका बड़ा बेटा रिंकू (26), राजेश (18) और जतिन (15) दुकान पर मौजूद थे। उसी वक्त बाजार में अग्निकांड हो गया। मोहन सिंह सहित तीनों बेटे झुलस गए थे। वहीं, मोहन की पत्नी के भाई सुशील व ठाकुरदास निवासी बमनई, हाथरस ने भी पटाखे की दुकान लगाई थी। यह सभी अग्निकांड में गंभीर रूप से झुलस गए। ठाकुरदास और सुशील की मंगलवार को मौत हो गई। बृहस्पतिवार को एम्स में उपचार के दौरान मोहन के बेटे राजेश ने भी दम तोड़ दिया।

वरिष्ठ साहित्यकार से. रा. यात्री का निधन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। वरिष्ठ साहित्यकार से. रा. यात्री अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर गोलोक को गमन कर गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा दोपहर 3.00 बजे उनके निवास स्थान एफ/ई-7 कवि नगर गाजियाबाद से हिंडन तट की ओर प्रस्थान करेगी। से. रा. यात्री का जन्म मुजफ्फरनगर के गांव जड़ौदा में 10 जुलाई 1932 को हुआ था। एम. ए. हिन्दी व एम. ए. राजनीति शास्त्र से की है।

उन्होंने करीब 300 से अधिक कहानियां, 40 से अधिक कहानी संग्रह, 32 से अधिक उपन्यास के अलावा संस्मरण, व्यंग्य और साक्षात्कार की कई पुस्तकों का प्रकाशन। विगत 50 वर्षों से हिन्दी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान', 'धर्मयुग', 'ज्ञानोदय', 'कादम्बिनी', 'सारिका', 'साहित्य अमृत', 'साहित्य भारती', 'बहुवचन', 'नई कहानियां', 'कहानी', 'पहल', 'श्रीवर्षा', 'शुक्रवार', 'नई दुनिया', 'वागर्थ', 'रविवार' आदि सहित देश भर के तमाम पत्र-पत्रिकाओं में कहानी, उपन्यास, साक्षात्कार, संस्मरण, समीक्षा, लेख, व्यंग्य आदि का प्रकाशन। दूरदर्शन, आकाशवाणी पर निरंतर रचनापाठ। विभिन्न मीडिया चैनल्स से समय-समय पर साक्षात्कार प्रसारित।

लेजर लाइट से आकर्षक दिखेगा छठ घाट

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा महापर्व छठ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया जिसके क्रम में निगम के विभागीय अधिकारियों सहित नगर आयुक्त करेड़ा तथा हिंडन नदी मुख्य छठ घाट का निरीक्षण करने पहुंचे, मौके पर साफ सफाई, बैरिकेडिंग, रंगाई पुताई, चेंजिंग रूम, प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया गया, गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारी घाटों को इस वर्ष व्यवस्थित करने के साथ-साथ आकर्षक बनाने में भी रुचि दिखा रही हैं जिसके लिए विशेष प्रबंध भी किए गए हैं"

निगम ने सीसीटीवी कैमरा तथा कंट्रोल रूम का किया इंतजाम

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा छठ घाटों पर आगंतुकों तथा श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है जिसके क्रम में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल प्रकाश व्यवस्था चेंजिंग रूम की व्यवस्था कराई जा रही है मुख्य छठ घाट हिंडन नदी पर लेजर लाइट के माध्यम से छठ घाट को आकर्षक बनाने का प्रयास चल रहा है, घाटों पर सीसीटीवी कैमरा भी लगाए जा रहे हैं तथा व्यवस्था को संभालने के लिए कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा, नगर आयुक्त द्वारा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया गया तथा बेहतर कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं। नगर आयुक्त द्वारा हिंडन नदी छठ घाट तथा अन्य छठ घाटों को को पूर्णतया प्लास्टिक फ्री रखने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है जिसके क्रम में संबंधित अधिकारियों द्वारा होल्डिंग के माध्यम से जागरूक भी किया जा रहा है, नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा, व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कहा मौके पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, महाप्रबंधक जल आनंद त्रिपाठी, प्रभारी प्रकाश आस कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण एन के चौधरी, प्रभारी उद्यान अनुज व अन्य संबंधित टीम उपस्थित रही।

अधिकारियों सहित छठ घाटों का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

व्यवस्थित व्यवस्था के साथ-साथ आकर्षक और साफ होंगे छठ घाट

श्रद्धालुओं को ना हो असुविधा, स्वच्छता का रखें विशेष ध्यान : नगर आयुक्त

यूटर्न लेते समय ट्रक अनियंत्रित होकर सीएमडी कॉलेज के सामने नाले में गिरा

दिल्ली मेरठ मार्ग पर 12 घंटे तक लगा रहा जाम, वाहन चालक रहे हलकान

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मोदीनगर। लोहे की पत्ती के बंडल लेकर जा रहे ट्रक बुधवार रात को यूटर्न लेते समय अनियंत्रित होकर सीएमडी कॉलेज के सामने नाले में गिर गया। इसके चलते दिल्ली मेरठ मार्ग वपर जाम लग गया। 12 घंटे से अधिक समय तक लगे जाम के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को हटाकर यातायात सुचारु कराया। एक ट्रक बुधवार रात को लोहे की पत्ती के बंडल लेकर गाजियाबाद से हापुड के लिए निकला। बुधवार रात को 11:30 बजे के आसपास जब ट्रक

दिल्ली मेरठ मार्ग पर मोदीनगर सौंदा कट के पास पहुंचे तो हापुड जाने के लिए सौंदा कट से यूटर्न लेने लगा। इसी बीच ट्रक के आगे एक वाहन आ गया। उसे बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित हो गया। ट्रक अनियंत्रित होकर सीएमड कॉलेज के बाहर बने नाले में जा गिरा और उसका पहिया धस गया। ट्रक का अगला हिस्सा नाले में गिर गया और पिछला हिस्सा सड़क पर आ गया। ट्रक का पिछला हिस्सा सड़क पर आने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बन गया और वाहनों की लाइन लगनी शुरू हो गई।

जाम के कारण परेशान हुए राहगीर

बुधवार रात को 11:30 बजे के आसपास ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा। इसके बाद दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम लगना शुरू हो गया। ट्रक के पास इतना जगह बची थी कि एक वाहन ही निकल सकता था। देखते ही देखते वाहनों की लम्बी लाइन लग गई। वाहनों की तीन किलोमीटर तक लम्बी लाइन पहुंच गई। वाहन रेंग रेंगकर निकल रहे थे। जाम के कारण मेरठ से गाजियाबाद की और जाने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ट्रक को सड़क से हटाने में लग गए 12 घंटे

ट्रक रात को 11:30 बजे के आसपास खराब हुआ था। सीएमडी कॉलेज से मोदीनगर थाने की दूरी पांच सौ मीटर है और मोदीपोन पुलिस चौकी दूरी तीन सौ मीटर दूरी पर है। इसके अलावा एनसीआरटीसी के पास भी बड़ी क्रेन मौजूद है। इन सबके बाबजूद भी ट्रक को हटाने में 12 घंटे से अधिक का समय लग गया। गुरुवार दोपहर 12:40 बजे के आसपास ट्रक को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया।

हापुड मार्ग की और डायवर्ड किए गए वाहन

जाम लगने के कारण पुलिस ने गाजियाबाद की और जाने वाले वाहनों को हापुड की और जाने डायवर्ड कर दिया। ग्यारह बजे के आसपास लगातार कई ट्रेन आने के कारण हापुड रोड स्थित रेलवे फाटक बंद कर दिया गया। जिसके चलते स्थिति विकराल हो गई।

अधिकारी कथन

ट्रक खराब होने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बन गई थी। क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। जाम को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस के सिपाही तैनात किए गए।

ज्ञानप्रकाश राय एसीपी मोदीनगर

अपनी पसंद से कोर्ट मैरिज करने वाली महिला की आई शामत

मनस्वी वाणी संवाददाता

- दहेज की मांग पूरी न होने पर पति करता है मारपीट
- बुरी नजर रखने वाला देवर करता है छेडखानी
- गर्भवती होने पर जबरन करा दिया गर्भपात

गढ़मुक्तेश्वर। अपनी पसंद से शादी करने वाली महिला पर पति जुल्म ज्यादती करता है और देवर बुरी नीयत से छेडखानी करता है। दहेज न मिलने से नाराज होकर महिला की कोख में पल रहा गर्भ भी जबरन गिरवा दिया। सिंभावली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें उल्लेख किया है कि उसने अपनी पसंद से गांव पर्थला खर्जरपुर सेक्टर 122 जिला गोतमुबुद्धनगर निवासी कपिल के साथ पिछले साल दस जनवरी को कोर्ट मेरिज की थी। कुछ दिनों तक तो सब कुछ ठीक चलता रहा, परंतु बाद में पति और सास समेत अन्य सुसराल वाले दहेज लाने की मांग करते हुए उसे तरह तरह से प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का कहना है कि देवर शुरूआत से ही उस पर बुरी नजर रखता था, जिसने कई बार छेडखानी तक कर दी थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद वह दो बार गर्भवती हो गई, परंतु पति और ससुराल वालों ने जबरन गोलियां खिलाते हुए दोनों बार गर्भपात करा दिया। महिला का कहना है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर पिछले दिनों पति और ससुराल वाले बेरहमी से मारपीट करने के बाद उसे मायके वाले गांव के बाहर लाकर बेहोशी की हालत में फेंक गए थे। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर उसके पति कपिल यादव, सास महेंद्री, देवर गौरव, देवरानी गायित्री के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कराई जा रही है।

फिर दिखा आयुध निर्माणी फैक्टरी में तेंदुए जैसा जानवर, वन विभाग की टीम ने चलाया सर्च अभियान

नहीं मिले तेंदुए के पंजे के निशान

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर। आयुध निमार्णी फैक्टरी परिसर में न्यू टाईप वन कॉलोनी व अस्पताल के पास तेंदुए जैसा जानवर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। तेंदुए जैसा जानवर दिखाई देने के बाद से दहशत का माहौल बना हुआ है। वन विभाग की टीम ने सर्च अभियान चला रखा है।आयुध निमार्णी फैक्टरी परिसर में बुधवार रात को एक बार फिर तेंदुए जैसा जानवर दिखाई देने की अफवाह फैल गई। बताया जा रहा है कि बुधवार रात को एक कर्मचारी डयूटी समाप्त करके अपने घर पैदल

जा रहे थे। जब वह न्यू टाईप वन व अस्पताल के पास पहुंचे तो उन्हें तेंदुए जैसा जानवर दिखाई दिया।

उन्होने बताया कि तेंदुए दीवार पर बैठा हुआ था और उनकी चीख निकल गई। यह बात रात को ही फैक्टरी परिसर में फैल गई। फैक्टरी प्रशासन द्वारा अलाउसमेंट कराकर लोगों से घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित कुमार व वन दरोगा आठ सदस्यीय टीम के साथ आयुध निमार्णी फैक्टरी पहुंचे और तेंदुए की तलाश में सर्च अभियान चलाया। अमित कुमार ने बताया कि सर्च अभियान चलाया गया। लेकिन कहीं भी तेंदुए के पंजे के निशान नहीं मिले है। कर्मचारी ने किसी अन्य जानवर देखा होगा। दहशत का आलम यह है कि गुरुवार सुबह भी लोग अपने घर से निकलने से डर रहे थे।

भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

- चिन्हित की हुई भूमि में दूसरों का पड़ाव डालने पर भड़की नाराजगी
- अधिकारियों के आश्वासन पर हो पाया गुस्सा शांत

मनस्वी वाणी संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। चिन्हित की हुई भूमि में दूसरों का पड़ाव डलवाने से नाराज भाकियू कार्यकताओं ने मेला स्थल पर हंगामा कर दिया, हालांकि अधिकारियों के आश्वासन पर बाद में गुस्सा शांत हो गया। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष पवन हुण का नेतृत्व में बृहस्पतिवार की शाम को दर्जनों कार्यकर्ता खादर मेला स्थल पर पहुंचे। जो सदर सेक्टर में कई दिन पहले चिन्हित की हुई अपनी भूमि में दूसरों का सामान पड़ा देख बुरी तरह बिफर उठे। जिलाध्यक्ष पवन हूण ने जिला पंचायत विभाग से जुड़े कर्मचारियों को मौके पर बुला लिया और अपनी चिन्हित भूमि में दूसरों के पड़ाव से जुड़ा सामान पड़ा होने पर कड़ी नाराजगी जताई। भाकियू कार्यकताओं ने जमकर खरी खोटी सुनाई, हालांकि इसी दौरान विभागीय अधिकारी मौके पर आ गए और भाकियू के कैंप कार्यालय के उपयुक्त भूमि मुहैया कराने का भरोसा दिया। तब कहीं जाकर गुस्सा शांत होने पर भाकियू कार्यकर्ता वहां से वापस लौट पाए।

डासना नगर पंचायत की कारगुजारी, एक सप्ताह से पानी को तरस रहे कस्बा वासी

- आए दिन पानी की मोटर फूंकने से पानी की किल्लत
- पानी की मेन लाइन को सही कराया जाएगा: मनोज मिश्रा ईओ डासना

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। जहां एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री जनता हित के लिए तमाम तरह के कार्य कर रहे हैं। वहीं ग्राम पंचायत से लेकर नगर पंचायत और नगर निगम और नगर पालिका को विकास निधि देकर जनता की समस्याओं को दूर करने का प्रयास भी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वही देखा जा रहा है की डासना नगर पंचायत की लापरवाही लगातार उजागर हो रही है।

लापरवाही का आलम यह है कि एक सप्ताह में सात दिन पानी की किल्लत से कस्बा वासियों को सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत के अधिकारियों का सिर्फ एक ही बहाना कभी पानी की मोटर खराब तो कभी पाइपलाइन खराब होना यानी की मुख्यमंत्री के प्रयासों को और दावों

को नगर पंचायत डासना पलीता लगता हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार कस्बा वासियों का कहना है कि नगर पंचायत डासना के अधिकारी की लापरवाही से कस्बावासी काफी त्रस्त हैं । क्योंकि विकास के नाम पर सिर्फ झूठे वादे किए जा रहे हैं। एक सप्ताह से पानी की किल्लत से कस्बावासी काफी हताश वह परेशान दिखाई दे रहे हैं। कई बार शिकायत करने के बाद नगर पंचायत के अधिकारी और कर्मचारियों का कहना है कि पानी की मोटर का खराब हो जाने की वजह से पानी में दिक्कत आई। वही दूसरी बार बहाना पाइपलाइन की खराबी बताई गई। यानी कि नगर पंचायत अधिकारियों को बहाने बनाना काफी अच्छी तरह आता है और जमीनी स्तर पर जीरो की तरह कार्य कर रहे हैं।

कस्बे में विकास के नाम पर सिर्फ झूठे वादे किए जा रहे हैं और कस्बावासी विकास के नाम पर ठगे जा रहे हैं। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर डालकर नगर पंचायत डासना की शिकायत भी की जाएगी। अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि पानी की मोटर खराब होने के कारण चार दिन कस्बा वासियों को पानी की दिक्कत हुई है। वहीं दूसरी बार तीन दिन से पाइप लाइन में दिक्कत वजह रहा है । पाइपलाइन को सही कराने का कार्य भी किया जाएगा। वही कस्बा वासियों को किसी तरह की कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

खादर मेले में पड़ाव डालने का सिलसिला हुआ तेज

- बाहरी जनपदों से पुलिस की आगमन में भी आई तेजी
- कई मील लंबे जंगल में बसने लगी है तंबुओं की महानगरी
- पुलिस प्रशासन के साथ ही सरकारी विभागों की गतिविधियां बढ़ीं

मनस्वी वाणी संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। खादर मेले में पड़ाव डालने का सिलसिला तेज होने के साथ ही बाहरी जनपदों से पुलिस की आमद भी बढ़ती जा रही है। गंगा के तटीय क्षेत्र से जुड़े कई मील लंबे जंगल में तंबुओं की महानगरी बसने का क्रम बढ? के साथ ही पुलिस प्रशासन समेत सरकारी विभागों की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं। पौराणिक खादर मेले का विधिवत शुभारंभ आज होना है, परंतु भैया दूज का पर्व संपन्न होते ही व्यापारियों समेत श्रद्धालुओं द्वारा मेला स्थल पर टैंट तंबू गाढ़कर पड़ाव डालने का सिलसिला तेज हो गया है। जिसके चलते गंगा नदी के तटीय क्षेत्र वाला कई मील लंबा जंगल धीरे धीरे तंबुओं की महानगरी के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है।

विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठान लगाने वाले भी अपनी लेबर के साथ मेले में पहुंचकर जरूरी तैयारी करने में जुटे हुए हैं। जिला पंचायत विभाग अस्थाई सड़कों के निर्माण से लेकर उनकी मरम्मत, पथ प्रकाश के लिए लाइन खिंचवाना, पानी के लिए हैंडपंप लगवाने के साथ ही वीआईपी कैंप बनवाने की कवायद में जुटा हुआ है। इस बार मेले में 35 लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं का आगमन होने का अनुमान लगाया जा रहा है, जिनकी सुरक्षा के लिए 32 जनपदों से करीब पांच हजार पुलिस कर्मियों समेत कई यूनिटों से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों की तैनाती रहेगी। श्रद्धालु और व्यापारियों द्वारा पड़ाव डालने का क्रम तेज होते ही बाहरी जनपदों से पुलिस की आमद में भी तेजी से बढ़ोतरी होती जा रही है। जिसके चलते मेला क्षेत्र से लेकर संपर्क मार्गों पर थाने बनवाने के साथ ही सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कहलाए जाने वाले प्वाइंटों पर पुलिस की तैनाती का क्रम प्रारंभ होने लगा है। मेला प्रभारी योगेंद्र कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात तक रिजर्व पुलिस लाइन में बाहरी जनपदों से करीब 21 सौ पुलिस कर्मियों ने अपनी आमद करा ली है, जबकि पीएसी की पांच कंपनियां भी मेला स्थल पर आ चुकी हैं। जिनमें तीन कंपनी लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था से जुड़ी हैं और शेष दो कंपनी राहत एवं बचाव का जिम्मा संभाल रही हैं।

संक्षिप्त

तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे किसान को कुचला ,मौत

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। दिल्ली मेरठ मार्ग पर राज चौपले के पास गुरुवार शाम को पांच बजे के आसपास तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को कुचल दिया। जिस कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव जोया निवासी 52 वर्षीय सुखबीर सिंह परिवार सहित रहते थे। गुरुवार को वह उपजिलाधिकारी कोर्ट में तारीख पर आए थे। वह शाम पांच बजे बाइक से वापस अपने गांव जोया जा रहे थे। वह बाइक को राज चौपले पर बाइक खड़ी करके पैदल ही सड़क पर पार कर रहे थे। इसी बीच मेरठ की और से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह कई फीट उछलकर दूर जा गिरे। आसपास के लोगों ने उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया,जहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है।

मोबाइल दिलाने की बात कहकर दुकानदार से ठगे 11.50 लाख रुपए, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। एक मोबाइल कंपनी के विक्रेता से मोबाइल दिलाने के नाम पर साढे ग्यारह लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले पीड़ित दुकानदार को कंपनी से माल दिलाया और बाद में हापुड़ की फर्म को बेच दिया। पुलिस ने चार के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है।

दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज के निकट नवीन गुप्ता की मोबाइल फोन की दुकान है। दुकानदार ने बताया कि एक मोबाइल कंपनी के शहर में दो डिस्ट्रीब्यूटर है। दोनों डिस्ट्रीब्यूटर ने दुकानदार को झांसा लिया और उसे कंपनी से 11.50 लाख रुपये के मोबाइल फोन दिला दिया। इसके बाद डिस्ट्रीब्यूटरों ने दुकानदार को बताया कि माल हापुड़ निवासी एक फर्म को बेचने है। दुकानदार ने बातों में आकर सारे फोन हापुड़ की फर्म को दे दिए। डिस्ट्रीब्यूटरों ने 10-15 दिन में पैमेंट आने का दुकानदार को भरोसा दिलाया। तीन माह बीतने के बाद भी पैमेंट न आने पर पीड़ित दुकानदार ने डिस्ट्रीब्यूटरों से बातचीत की। जिस पर उन्होंने पैमेंट दिलाने से इनकार कर दिया। दूसरी तरफ, कंपनी की ओर से पीड़ित दुकानदार पर तकादा शुरू हो गया। पीड़ित का आरोप है कि कंपनी के अधिकारी और डिस्ट्रीब्यूटर उसे 11.50 लाख की चपत लगाने की फिराक में है। इसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान है। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि मामले में कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर बैंक कॉलोनी निवासी अमित कुमार श्रीवास्तव, मेरठ आबूलेन सदर बाजार निवासी उमंग यादव और हापुड़ निवासी मोनू, अंकित के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पटाखा छोड़ने को लेकर दंबगों ने युवक पर रॉड से हमला करके गंभीर रुप से किया घायल

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव सीकरी खुर्द में पटाखा छोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे व लोहे की रॉड चले। इस संघर्ष में एक पक्ष के दो युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। गांव सीकरी खुर्द निवासी सागर अपने दोस्त रौनक के साथ अपने घर के बाहर पटाखा छोड़ रहा था। इसी बीच वहां से गांव निवासी प्रिंस अपने साथियों के साथ निकल रहा था। पटाखा छोड़ने को लेकर प्रिंस व सागर के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बिगड़ी कि दोनों पक्ष आमने सामने आ गए और जमकर लाठी डंडे चले। प्रिंस ने अपने साथियों के साथ मिलकर लोहे के रॉड से हमला कर सागर व रौनक की बेहरमी से पिटाई कर दी। सागर की हालात गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने युवकों को अस्पताल में भर्ती कराकर मोदीनगर थाने तहरीर दी है। इसके अलावा निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव अबूपुर में भी रविवार रात को दुकान के बाहर पटाखा फोड़ने से इंकार करने पर दंबगों ने दुकानदार को जमकर मारपीट कर घायल कर दिया। रॉड से हमला कर सोने व रोहित को गंभीर रुप से घायल कर दिया। पीड़ित ने निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने की बात कह रही है।

गारमेंटस की फैक्टरी में आग लगने से लाखों का सामान जलकर हुआ राख

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। नगर की गोविन्दपुरी कॉलोनी में बिसोखर में गारमेंटस फैक्टरी में रविवार रात को शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से फैक्टरी में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पाया। गांव बिसोखर निवासी राजन कुमार पुत्र दयाचंद्र की गोविन्दपुरी कॉलोनी में बच्चों के कपडे बनाने की गारमेंटस की फैक्टरी का संचालन करते है। दीपावली के चलते रविवार को फैक्टरी की छुट्टी थी। रविवार रात दस बजे के आसपास अचानक फैक्टरी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। आग का विकराल रुप देखकर कॉलोनी में अफरा तफरी का माहौल बन गया। फैक्टरी के आसपास के रहने वाले लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने 40 मिनट पर आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि आग की चपेट में आकर लाखों का सामान जलकर राख हो गया। अग्नि श्मन अधिकारी मोदीनगर ने बताया कि शार्ट सर्किट या बैट्रा फटने से आग लगी है। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। आवासीय कॉलोनी में चल रही फैक्टरी में अग्नि शमन के यंत्र भी मौजूद नहीं थे।

बिना अनुमति पेड़ काटने के विरोध पर वन रक्षक से अभद्रता, केस दर्ज

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव अतरौली में चार हरे पेड काटने का मामला सामने आया है। शिकायत पर जब वन निरीक्षक मौके पर पहुंचे तो उनके साथ अभद्रता व धक्का मुक्की की गई। नाली निर्माण के लिए पेट काटे गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। रोहित कुमार वन रक्षक पद पर कार्यरत है। रोहित कुमार फरीदनगर क्षेत्र में बीट प्रभारी है। बताया जा रहा है कि दो दिन गांव अतरौली निवासी विनोद कुमार ने नाली निर्माण के लिए प्रोसोपिस प्रजाति के चार हरे पेड़ काट लिए है। पेड काटने की अनुमति वन विभाग से नहीं ली गई थी। पेड काटने की सूचना पर रोहित कुमार गांव अतरौली पहुंचे जांच शुरू कर दी। जब वह मौके पर पहुंचे तो उनके साथ अभद्रता व गाली गलौच कर धक्का मुक्की करनी शुरू कर दी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही अभद्रता करने वाला आरोपी मौके से फरार हो गए। वन रक्षक रोहित कुमार ने इस संबंध में भोजपुर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि विनोद शुक्ला उर्फ बीनू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गइ है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मारपीट के मामले में दो महीने बाद केस दर्ज

मोदीनगर(मनस्वी वाणी)। थानाक्षेत्र के गांव रोरी में दो माह पहले हुई मारपीट के मामले में रविवार को रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गत 17 सितम्बर को गांव रोरी निवासी वीरेन्द्र अपने साथी राजकुमार व राजेन्द्र के साथ जा रहे थे। जब वह बीच रास्ते पहुंचे तो उन पर अचानक हमला बोल दिया और मारपीट करनी शुरू कर दी। हमले में तीनों गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत मोदीनगर थाने में की ,लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। पीड़ित ने पुलिस कमिशनर से शिकायत की है। पुलिस कमिशनर ने रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए है। मोदीनगर पुलिस ने गोलू ,चीनू ,अंकुर सहित चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

साइड न देने पर बाइक सवार युवकों ने कैब चालक को किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

मुरादनगर। (मनस्वी वाणी)। रावली मार्ग पर साइड देने को लेकर हुए विवाद में दंबगों ने कैब चालक को मारपीट कर घायल कर दिया। इतना ही नहीं मारपीट के बाद कार में भी जमकर तोड़फोड की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जिला बागपत के दोघट निवासी वाजिद कैब चालक है। वह एक दिल्ली एनसीआर में कैब चलाकर परिवार का लालन पालन करते है। वह कैब में सवारी लेकर रावली रोड पहुंचे तो सामने से बुग्गी आ रही थी। इसी बीच बाइक पर तीन युवक आए हार्न बजाने लगे। वाजिद ने हार्न बजाने से मना किया तो कहासुनी हो गई। देखते ही देखे बात इतनी बिगड़ी कि बाइक सवार युवकों ने कैब चालक के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इतना ही नहीं उन्हें कार में भी जमकर तोडफोड की। कैब चालक ने भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार से टक्कर मारी डंडा मारकर सिर फोड़ा, आरोपी फरार

मुरादनगर। (मनस्वी वाणी)। दिल्ली मेरठ मार्ग पर चर्च कॉलोनी के सामने कार चालक ने पहले युवक को टक्कर मारी और फिर डंडे से वार कर सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है। नगर की राधा कृष्णा कॉलोनी निवासी बिल्लु कुमार रहते है। उनका पुत्र रोहित किसी काम से दिल्ली मेरठ मार्ग पर जा रहा था। जब वह चर्च कॉलोनी के सामने पहुंचा तो पीछे से आ रही कार ने रोहित को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह गिर गए। जब उन्होने टक्कर मारने का विरोध किया तो कार चालक ने डंडे से वार कर रोहित का सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

email :manasvivani@gmail.com

गाजियाबाद/आसपास

गाजियाबाद, शुक्रवार, 17 नवंबर, 2023

मंत्री नरेंद्र कश्यप मंत्री ने किया भोपुरा में जनता दर्शन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने वार्ड 20 भोपुरा क्षेत्र की तुलसी निकेतन कालोनी में जनता दरबार लगाकर लोगों की जनसमस्या सुनी। क्षेत्रीय पार्षद यशपाल पहलवान ने मंत्री का धन्यवाद किया और बताया कि 30 वर्षों में आज तक यहां का कोई विकास नहीं हुआ जनता का भी आभार प्रकट किया। यशपाल पहलवान निगम पार्षद और पूर्व पार्षद विनोद कसाना ने दो दिन पूर्व तुलसी निकेतन की समस्या को लेकर एक ज्ञापन दिया था जिसका तुरंत संज्ञान लेकर माननीय मंत्री ने लखनऊ जाकर नगर विकास मंत्री ए के शर्मा से मिलकर कालोनी की समस्या को रखा और आज जनता के बीच आकर मंत्री ने बताया कि तुलसी निकेतन की सड़क सीवर पानी लाइट व मकानों की मरम्मत या पुनर्निर्माण जो भी समस्या है जल्दी ही ज़िला अधिकारी उपाध्यक्ष जीडीए को मौके पर बुलाकर जल्द ही निस्तारण करायेंगे।

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कालोनी में पद यात्रा करकर लोगो से यहाँ को छोटी बड़ी समस्या को जाना और पूर्ण आश्वस्त करते हुए कहा कि केंद्र में मोदी की सरकार व उत्तर प्रदेश में योगी की सरकार है क्षेत्र की कोई भी छोटी बड़ी समस्या है उसका निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे सरकार की अन्य पिछड़ा वर्ग व दिव्यांगजन मंत्रालय की ज़िम्मेदारी है आप सबके लिए मेरे घर के दरवाजे हमेशा खुले हुए है आप आये अपना स्वागत है आगामी लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे है मुझे गाजियबाद की सम्मानित जनता पर पूर्ण भरोसा है वो एक फिर से जीत का इतिहास बनाएगी। गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने मंत्री से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि तुलसी निकेतन की जो भी समस्या है उसका निस्तारण जल्द हो उन्होंने कहा कि भाजपा का देवतुल्य कार्यकर्ता जनहित की सेवा में सदैव लगा रहता है कार्यकताओं से कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव सर पर है सभी अपनी कमर कस ले हम सबको मिलकर पुनः गाजियाबाद लोकसभा को प्रचंड जीत दर्ज करके दिल्ली भेजना है। मुख्य रूप से महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, पूर्व पार्षद विनोद कसाना, मंत्री प्रतिनिधि डॉ सौरभ जायसवाल, डॉ कमल, जय कसाना, अमित कल्याणी, बॉबी कसाना, रामकिशन ठेकेदार, आनंद गौतम, जेके बबलू, दिनेश रावत, काँची लाला, हाफिज सौकीन, सलमान सलीम, अंकित किशन, कोहली सौरव कल्याणी, सदाब किशन, प्रमोद कसाना, मोनू मावी, अजय विनय, संजय, सुनील, आकाश कसाना, सोनू प्रधान आदि की उपस्थिति रही।

शुभकामनाएं

राहुल शर्मा पार्षद को मनस्वी वाणी परिवार की ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

मनस्वी वाणी

तीसरी नजर

- एम.जे. चौधरी

बदमाशों के लिए काल बन रहे अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर? गुंडा एक्ट में ताबड़तोड़ कार्यवाही? कमिश्नरेट को बनाया जा रहा अपराध मुक्त

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के उद्देश्य से तमाम तरह के कार्य किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में कमिश्नरेट गाजियाबाद में बदमाशों के लिए पुलिस काल बनकर टूट रही है। जहां ताबड़तोड़ तरह से बदमाशों के साथ क्रैकडाउन किया जा रहा है। वहीं बदमाशों को अब गुंडा एक्ट में निरुद्ध कर उन्हें जिले से बाहर करने का कार्य भी करते हुए दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए उन्हें जिले से बाहर करने का रास्ता भी दिखाया जा रहा है। हालांकि इस मामले में कई थानों में आपसी जुगाड़ और सेटिंग के चलते कुछ लोगों के खिलाफ अधिक मुकदमे होने पर भी गुंडे की कार्रवाई पुलिस नहीं भेज पा रही। वहीं कुछ ऐसे लोगों के खिलाफ भी गुंडे की कार्रवाई की रिपोर्ट भेजी गई जिनपर बड़ा क्राइम के मुकदमे भी नही है। और राजनीतिक सांठ गांठ के चलते पुलिस ने अपना हित साधने के कार्य किये हैं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर गुंडे और बदमाशों के लिए काल बनकर टूट रहे हैं । बदमाशों के खिलाफ ताबड़तोड़ गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए उन्हें जिले से बाहर का रास्ता दिखाने का कार्य कर रहे हैं। हालांकि कुछ जगह ऐसे लोगों के खिलाफ भी गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई, जिनका आपसी विवाद में पुलिस ने अपने पर्सनली और राजनीतिक हित को साधने के लिए गुंडा एक्ट की रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी गई। यानी कि जहां पुलिस के उच्च अधिकारी मजबूती से कार्य कर रहे हैं और बदमाशों के लिए काल बनकर टूट रहे हैं। फिलहाल पुलिस की उच्च अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप क्रैकडाउन और गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए कमिश्नरेट सिस्टम में कमिश्नरेट को क्राइम मुक्त रखने के प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर दिनेश कुमार पी और तीनों जोन के डीसीपी निपुण अग्रवाल, शुभम पटेल और विवेक चंद यादव व सभी एसीपी द्वारा बेहतर तरीके से कार्य करते हुए सभी थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को क्राइम की घटनाओं पर अंकुश लगाने और बदमाशों को उनके असली घर जेल भेजने के लिए दिशा निर्देश भी देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यानी की ताबड़तोड़ घटनाओं होने के बाद उनके खुलासे के लिए भी पुलिस की टीम पूरी तरह प्रयासरत दिखाई दे रही है। बहरहाल ताबड़तोड़ गुंडा एक्ट की कार्रवाई के चलते उन्हें जिले से बाहर का रास्ता भी दिखाया जा रहा है।

चित्रगुप्त कल्याण समिति ने किया चित्रगुप्त पूजा का आयोजन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

ट्रांस हिंडन। चित्रगुप्त कल्याण समिति द्वारा शालीमार गार्डन चित्रगुप्त मंदिर परिसर में चित्रांश समाज की ओर से सामूहिक रूप से चित्रगुप्त पूजा का आयोजन कर कलम-दावत पूजन कार्यक्रम किया गया। भगवान चित्रगुप्त मंदिर को फुल मालाओं से सजाया गया था जहां भक्ति-भाव से उनकी पूजा की गई जिसकी शुरूआत झंडा फेराकर की गयी उसके बाद मंदिर में हवन पूजा का आयोजन किया गया । बच्चों द्वारा बहुत ही सुन्दर पेंटिंग बनायी गयी। साथ ही भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण किया गया । वरिष्ठ चित्रांश अशोक श्रीवास्तव और पीसीएल श्रीवास्तव आकाश श्रीवास्तव का पुष्पगुछ देकर स्वागत किया गया । महानगर महामंत्री पप्पु पहलवान, पार्षद राहुल शर्मा का भी समिति के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। सभी बच्चों को प्रतीक चिन्ह देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उसके बाद सब ने भोजन लिया। इस अवसर पर डीके श्रीवास्तव, संजय सिन्हा, मयंक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, धंनजय श्रीवास्तव, विनोद माथुर, अनिल श्रीवास्तव, केशव सक्सेना, अनीश माथुर, आशुतोष सिन्हा, मनीष माथुर, प्रखर सक्सेना, पवन श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, प्रतीक माथुर , सुशील सक्सेना, रंजन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अनीश श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, नन्दनी श्रीवास्तव, पारुल माथुर, नामित डियो, मंजू श्रीवास्तव, अंजू श्रीवास्तव, रीना सक्सेना, अमित रंजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारी तादाद में महिलाओं में जेल में मनाया भैया दूज का पर्व

- बंदी भाइयो से मिलकर रुआंसी हुई बहने
- जेल प्रशासन ने किए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम
- पुलिस व्यवस्था भी दिखी चाकचौबंद
- डॉक्टर्स टीम के साथ मोबाईल टॉयलेट पानी की भी व्यवस्था

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश की सबसे हाईटेक डासना की जिला जेल में भारी तादाद में महिलाए अपने बन्दी भाइयो से मुलाकात के लिए पहुंची। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जेल प्रशासन ने जेल सुरक्षाकर्मियों के अलावा पीएसी व बाहर की भी पुलिस का खासा इंतजाम किया हुआ था। 3670 महिला की उनके 1373 बन्दी भाइयों से मुलाकात कराई गई। 1165 बच्चें एवं 74 पुरूष ने जेल में बंद अपने 48 महिला बंदी बहनों से मुलाकात कर भैया दूज के पर्व को मनाया । गौरतलब है कि पूरे देश भर में भाई-बहन के स्नेह और प्यार का त्योहार भैया दूज मनाया गया है। इस दिन बहन अपने भाई की लंबी आयु और अच्छी जिंदगी के लिए प्रार्थना करती है। हिंदू धर्म में भैया दूज के पर्व का खासा महत्व है।हालांकि जेल में मुलाकात को पहुंची बहन जेल में बंद अपने भाइयों को देखकर तिलक के साथ रोने लगी।

मुलाकात को आई बहनों ने बताया कि भगवान यह दिन किसी को भी ना दिखाएं और जल्द से जल्द उनके भाई व बेटे जेल से रिहा होकर आजाद हो जाएं । क्योंकि खुली हवा की आजादी कुछ और होती है और जेल में बंद भाइयों की लंबी उम्र की कामना भी की गई। बता दे कि गाजियाबाद की डासना जेल प्रदेश की हाईटेक जेलो में सुमार है और यहां पर मुस्लिम महिलाएं भी अपने भाइयों के साथ भैया दूज का पर्व मनाने के लिए लाइनों में खड़ी दिखाई दी है। और जेल के अंदर जाने का इंतजार करती देखी गई है। मुस्लिम महिलाओं ने बताया कि भाई बहन का त्यौहार किसी भी मजहब से परे है। जरूरी नहीं है कि हिंदू या मुस्लिम सभी धर्मों में भाई बहनों का प्यार होता है। इसीलिए हम इस त्योहार को मनाते हैं। जेल अधीक्षक आलोक सिंह और जेलर कुलदीप भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 3670 महिलाओ ने जेल में बंद 1373 बंदी भाइयो से एवं बाहर से आये 74 भाइयो ने जेल में बंद 74 बंदी बहनो व बाहर से महिलाओं के साथ आये 1165 बच्चें और जेल बंद 18 भाई बहनों ने अत्यन्त खुशी-खुशी मुलाकात करके जेल प्रशासन की प्रशंसा की गई। बंदियों के बाहर से आने वाले परिजनों ने जेल की व्यवस्था की सराहना की है। भैयादूज का पर्व जेल कर्मचारियों की सतर्कता एवं सजगता से कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और उनकी कोशिश है कि एक भी बहन अपने भाई से बिना मिले ना जा सके। गोले औ? तिलक के समान की भी व्यवस्था की गई थी। किसी बहन या भाई को परेशानी का सामना न करना पड़े इस लिहाज से डॉक्टर की टीम स्वास्थ्य की जांच कर रही थी वही मोबाइल टॉयलेट और पानी की व्यवस्था भी की गई थी यानी कि भैया दूज के पर्व को सकुशल संपन्न कराने और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य को किया गया। जिसकी बाहर से आई बहनों द्वारा दिल खोलकर सहाना की गई है इस अहम मौके पर जेल अधीक्षक आलोक सिंह, जेल कुलदीप भदौरिया, डिप्टी जेलर अजय कुमार झा, डिप्टी जेलर संजय कुमार शाही, डिप्टी जेलर विजय कुमार गौतम, डिप्टी जेलर विजय प्रकाश चौहान, डिप्टी जेलर सुभाष चंद्र शर्मा सहित जेल प्रशासन से जुड़े आला अधिकारी एवं कर्मचारी ने व्यवस्था बनाने में पूर्ण रुप से सहयोग किया।

चैकिंग के दौरान मुठभेड़ के बाद अवैध तमंचे सहित दो गिरफ्तार

- पुलिस पर फायर करने वाले दोनो पुलिस गिरफ्त मे

मनस्वी वाणी, संवाददाता

चांदीनगर। पुलिस कप्तान अर्पित विजय वर्गीय के निर्देशनुसार चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायर करने वाले दो बदमाशो को पुलिस ने एक अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है थानाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ ललियाना चैक पोस्ट के समीप चैकिंग कर रहे थे तभी वहा से गुजर रहे दो अभियुक्तो को पुलिस ने रूकने का इशारा किया जिस पर उन्होने पुलिस पर फायर कर दिया और वहा से भागने लगे जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनो अभियुक्तो को पकड़ लिया और पुलिस पूछताछ मे उन्होने अपना नाम अमित और आदित्य निवासी ललियाना बताया है पुलिस ने उनके पास से एक अवैध तंमचा और एक जिन्दा कारतूस व एक खोखा बरामद किया है और अभियुक्तो पर पहले भी चांदीनगर थाने मे मुकदमे दर्ज है पकड़े गए अभियुक्तो के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

केडीबी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय योग प्रतियोगगिा का आयोजन

गाजियाबाद (मनस्वी वाणी)। केडीबी विद्यालयमें नेशनल योग चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। 3 दिन तक चलने वाले इस प्रतियोगिता की मेजबानी कर विद्यालय प्रांगण ने एक बार फिर से इसका प्रत्यक्ष प्रमाण दिया है कि के डी बी विद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अपितु अपनी खेल जगत की समृद्ध परंपराओं को भी बखूबी निभाता हैं क्योंकि विद्यालय यह मानता है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास स्थान होता है। शिक्षाविद सीबीएसई संयुक्त सचिव अरुणिमा मजूमदार ने इस नेशनल योगा चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि पद पर सुशोभित होकर प्रतियोगियों का उत्साह वर्धन किया। योग शिक्षक विशेषज्ञ डॉक्टर तारकनाथ प्रमाणिक की उपस्थिति ने छात्र-छात्राओं में जोश का संचार किया । विद्यालय में प्रतियोगिता प्रक्रिया को देखने और अपने न्यायिक राय के लिए के लिए डॉक्टर गौरव राय उपस्थित रहे इनकी उपस्थिति ने दर्शकों के मनोबल को और भी अधिक बढ़ाया। इस प्रतियोगिता ने इस तथ्य को उद्घोषित किया कि योग का अर्थ है जोड़ना जो शरीर और आत्मा दोनों को एकाकार कर हमें सही दिशा प्रदान करता है। इस योगा चैंपियनशिप का उद्देश्य स्वस्थ भारत की नींव को मजबूत करना रहा है। देश विदेश से आए 480 प्रतियोगियों ने जोश और उत्साह से अपने प्रांत का प्रतिनिधित्व किया। दिनांक 17 नवंबर को प्रथम चरण के प्रतियोगी अपनी प्रतिभा प्रदर्शन के लिए उत्साहित थे जिसमें अंडर 19 और अंडर 14 आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं शामिल थे। प्रतियोगिता में विद्यालय वाइस चेयरमैन पर्सन श्रीमती वंदना बजाज कार्यकारिणी समिति के प्रबंधक ए.के. बग्गा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। स्कूल ऑर्केस्ट्रा के मधुर संगीत स्वरों के साथ प्रधानाचाया निवेदिता राणा, उपप्रधानाचार्या नम्रता दूबे ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। प्रधानाचार्या श्रीमती निवेदिता राणा ने प्रतियोगियों को संबोधित किया और प्रतियोगिता को सच्ची खेल भावना से प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन व सद् चरित्र की महत्ता बताते हुए निर्भिकसाहसी व अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सभी विद्यालयों के लिए यह संदेश दिया कि वह योग को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाएं। अतिथि महोदया ने छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएंदी और उनको आशीर्वाद दिया कि वे जीवन की सभी बाधाओं को पार कर यशस्वी बने और इसी के साथ अपने राष्ट्र गौरव को अक्षुण रखने के लिए राष्ट्रगान के साथ अपनी मातृभूमि को सभी ने नमन किया।

शादी का झांसा देकर उसके साथ पांच साल तक दुष्कर्म

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। पीड़ित युवती एसएसपी को आपबीती सुनाते हुए रो पड़ी। पीड़िता ने बताया कि शादी का झांसा देकर उसके साथ पांच साल तक दुष्कर्म किया गया। यही नहीं तीन बार उसका गर्भपात भी कराया। एसएसपी ने कार्रवाई की बात कही है। मेरठ में लालकुर्ती क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने अपने पड़ोस में रहने वाले युवक पर पांच साल तक शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। प्रेमी ने तीन बार उसका गर्भपात भी करा दिया। अब शादी की बात करने पर परिवार के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की और धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया। बृहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची पीड़िता ने बताया कि उसका अपने पड़ोस में रहने वाले युवक से पिछले पांच साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक अक्सर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। वह तीन बार गर्भवती हुई लेकिन प्रेमी ने हर बार उसका गर्भपात करा दिया।

आरोप है कि अब प्रेमी के घर वालों ने दोनों की शादी कराने से इन्कार कर दिया। बुधवार को प्रेमी भी शादी के वादे से मुकर गया। जब वह उसके घर पहुंची तो आरोपी और उसके परिवार ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। एसएसपी ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जिलाधिकारी ने स्कूल का किया औचक निरीक्षण, आठ शिक्षक मिले स्कूल मे गैर हाजिर

- जिलाधिकारी ने आठ अनुपस्थित अध्यापको का रोका वेतन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संविलियन विद्यालय डौला का औचक निरीक्षण किया जिसमे 9:00 बजे विद्यालय का मुख्य द्वार बंद मिला विद्यालय की अत्यंत खराब स्थिति को देखकर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्ति की और संबंधित की जिम्मेदारी तय करने के कड़े निर्देश दिए

विद्यालय मे 489 विद्यार्थी पंजीकृत है जिसके सापेक्ष 64 विद्यार्थी उपस्थित मिले जिसमे 31 छात्रा व 33 छात्र उपस्थित थे जिनके लिए 14 अध्यापक व 2 शिक्षा मित्र कार्यरत है जिलाधिकारी ने अध्यापको की उपस्थिति पंजीका भी चेक की जिसमे से आठ अध्यापक जिलाधिकारी को अनुपस्थित मिले जिनका जिलाधिकारी ने मौके पर एक दिन का वेतन रोका और उनके कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए प्रधानाचार्य का सुपरविजन अच्छा न होने पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और उनका भी उत्तरदायित्व तय किया उपस्थित विद्यार्थियो की सँख्या कम मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की उन्होने कहा कि विद्यालय मे छात्रो की उपस्थिति शत प्रतिशत होनी चाहिए कम उपस्थिति को देखकर अत्यंत चिंताजनक विषय है जिस पर संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी व प्रधानाचार्य आदि की जिम्मेदारी तय की जाएगी जिलाधिकारी ने प्रार्थना के समय मे विद्यार्थियो से नैतिक शिक्षा के बारे मे जानकारी ली जिसमे उन्होने संतोषजनक उत्तर दिए और उन्हे मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

।। सद्विचार ।।

"खुशबू को इत्र बेचने वाले की सिफारिश की जरूरत नहीं होती।"

संपादकीय

सम्पादकीय

मानव सभ्यता पतन की राह पर

एक ओर रूस और यूक्रेन युद्ध को चलते हुए करीब 16 माह बीत चुके है वहीं ताजा घटनाक्रम में इजरायल तथा हमास में चल रहे युद्ध को 6 सप्ताह से अधिक का समय हो चुका है। इस युद्ध की शुरूआत 7 अक्तूबर को हुई थी, जब हमास के लड़ाकों ने गाजा पट्टी से इजरायल के क्षेत्रों में जाकर 1400 के लगभग इजरायली नागरिकों, जिनमें बच्चे तथा महिलाएं भी शामिल थीं, को मार दिया था तथा 240 के लगभग इजरायलियों को वे बंदी बना कर गाजा पट्टी ले गये थे। गाजा पट्टी पर विगत कई वर्षों से इस्लामिक जेहाद समर्थित संगठन हमास का कब्जा है। उसे ईरान तथा कुछ अन्य अरब देशों का समर्थन प्राप्त है तथा उसने इजरायल को नेस्त-ओ-नाबूद करने की घोषणा भी की हुई है। इसी क्रम में उसकी ओर से यह हमला किया गया था। इस हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप इजरायल के प्रधानमंत्री वैजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की थी कि वह गाजा पट्टी से हमास के प्रभाव को पूरी तरह समाप्त कर देंगे। जिस तरह उन्होंने गाजा पट्टी के दक्षिणी भाग में लगातार बम बरसा कर उसका विनाश किया है, तथा जिस तरह अब तक इन हमलों में हजारों की जान चुकी है, उसके दृष्टिगत संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व के ज्यादातर देश इस युद्ध को खत्म करने के लिए यत्नशील हुये हैं।

आखिर मानव सभ्यता व विकास के सभी मानक क्या हम इंसानों को यहां इस मोड़ पर ले जाने के लिए ही तैयार कर रही है फिर हजारों साल पहले कबीलों के और आज के कथित विज्ञान के युग के शिक्षित मानव के जीवन में क्या परिवर्तन हो पाया? सिर्फ इतना भर कि पहले जमीन पर हाथ से निर्मित तीर कमान से खून की प्यास बुझाने का चलन था आज मिसाइल दाग कर यह भूख मिटाई जा रही है?

कुछ सप्ताह पूर्व इजरायल ने गाजा पट्टी में रहते फिलिस्तीन के आम नागरिकों को राहत देते हुए दक्षिणी क्षेत्र छोड़ जाने तथा उत्तर की ओर जाने के लिए कहा था, इसके बाद अब तक 15 लाख के लगभग फिलिस्तीनी बेहद दयनीय स्थिति में गाजा पट्टी के उत्तरी क्षेत्रों में चले गये थे परन्तु अपनी पहली घोषणा के विपरीत इजरायल ने इन क्षेत्रों में भी अपनी बमबारी जारी रखी हुई है। इजरायल ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को भी घेर कर वहां बम बरसाये हैं, क्योंकि वह घोषणा करता आ रहा है कि हमास अपना मुख्य कार्यालय इस अस्पताल के तहखानों से चला रहा है। इस तरह इस हमले में सैकड़ों ही मरीज, जिनमें बच्चे एवं महिलाएं भी शामिल हैं, मारे गये हैं।

हालात ये बन गये हैं कि लाखों ही शरणार्थियों के लिए पानी, खाद्य आपूर्ति तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं पूरी खत्म होती जा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने फिलस्तीनी शरणार्थियों की बेहद पीड़ादायक स्थिति को ब्यान करते हुये यहां तक कहा है कि इस समय एक स्थान पर 160 लोगों के लिए केवल एक ही शौचालय उपलब्ध है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास तेल खत्म हो गया है, जिस कारण रात को हर तरफ अन्धेरा छा जाता है। लगातार किये जाते हमलों के कारण लोग भूख तथा प्यास से मरते जा रहे हैं। उन्हें एक डबल रोटी लेने के लिए भी घंटों तक कतारों में खड़ा होना पड़ता है। गलियां, बाजार दूषित पानी से भर गये हैं। नलों में पीने योग्य पानी नहीं आ रहा, न ही कहीं और जगह से किसी तरह की सहायता प्राप्त हो रही है। पैदा हुये इन हालात से इस युद्ध में घिरे लाखों लोगों के लिए बेहद दयनीय होती जा रही स्थितियों का अनुमान लगाया जाना कठिन नहीं है। पहले भारत अक्सर फिलिस्तीनियों के पक्ष में खड़ा होता रहा है। उसने हमेशा ही दो आजाद देशों का समर्थन किया है परन्तु अब अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर उसके व्यवहार को सन्तोषजनक नहीं कहा जा सकता। भारत सहित विश्व भर के सभी देशों की इस समय मुख्य प्राथमिकता युद्ध खत्म करवा कर लाखों ही लोगों को इस दयनीय हालत से बाहर निकालने की होनी चाहिए। चाहे अमरीका तथा ज्यादातर यूरोपियन देश इस समय इजरायल के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं परन्तु गाजा पट्टी में बन रहे ऐसे हालात व्यापक विनाश का सन्देश हैं। इस तरह के हालात में इस क्षेत्र में स्थायी शांति तथा स्थिरता की उम्मीद नहीं की जा सकती, अपितु यह घटनाक्रम और भी भयावह स्थितियों को जन्म देने वाला सिद्ध हो सकता है। इस युद्ध के शीघ्र खत्म होने से ही विकराल होती जा रही इस मानवीय त्रासदी को रोका जा सकेगा।

पुरुष संवेदनशीलता के बिना महिला सशक्तिकरण अधूरा

मान लीजिए कि किसी पिछली सदी का कोई व्यक्ति आज हमारे समय में आता है। जब वे महिलाओं को विमान, कार, बस आदि चलाते हुए देखेंगे तो उन्हें कैसा झटका लगेगा। उनकी भ्रम की स्थिति की कल्पना करें जब उन्हें पता चलता है कि भारत में एक तिहाई गांवों का नेतृत्व महिला सरपंचों द्वारा किया जाता है, जबकि पुरुष घर पर बूढ़े माता-पिता या अन्य घरेलू कामों की देखभाल कर सकते हैं। आज हमारे लिए यह सब रोजमर्रा की बात लग सकती है, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जिसके पास लिंग-आधारित बहुत कठोर और सख्त विचार हैं, लिंग-आधारित मानदंडों में रहते हैं और विश्वास करते हैं और समाज को पितृसत्ता के चश्मे से देखते हैं, महिलाओं को अपनी शादियों में दखल देने और अन्य लिंगों के प्रति बढ़ती स्वीकार्यता से उनको अधिक झटका लगेगा।

लैंगिक भूमिकाएँ और अपेक्षाएँ सदियों से समाज में व्याप्त हैं। लड़कियों से आज्ञाकारी, विनम्र और पोषण करने वाली होने की उम्मीद की जाती है, जबकि लड़कों से मजबूत, दृढ़ और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद की जाती है। ये अपेक्षाएं अक्सर प्रतिबंधों और मांगों के साथ आती हैं जो दोनों लिंगों के लिए समान रूप से हानिकारक हो सकती हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि पितृसत्ता और लिंग-आधारित अलगाव आज भी बहुत प्रचलित है, बल्कि मुद्दा यह भी है कि यह जानने के बावजूद यह लगातार फल-फूल रहा है। यदि यह एक महिला को अनुचित और अतार्किक प्रतिबंधों से विकलांग बनाता है, तो यह पुरुष को अत्यधिक और अप्राकृतिक अपेक्षाओं से विकलांग बनाता है।

आज भी लड़कियों को परिवार में आर्थिक और सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाता है। एक कारण के रूप में, एक युवा लड़की के सपनों को अक्सर छोटा कर दिया जाता है, और उसे कम उम्र में ही दूसरे परिवार पर बोझ के रूप में निपटा दिया जाता है। यह सिर्फ विकासशील या गरीब देशों की घटना नहीं है, बल्कि अच्छे मानव सूचकांक वाले विकसित देशों में भी बाल विवाह में वृद्धि देखी जा रही है। जब एक युवा लड़की, जिसके पास बच्चों को जन्म देने और घरेलू काम करने के अलावा जीवन में कोई संभावना नहीं होती, की शादी एक परिवार में कर दी जाती है, तो वहां भी उसे बोझ के रूप में या सबसे खराब स्थिति में पति की संपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में, जिन महिलाओं के पास किसी भी आर्थिक एजेंसी का अभाव होता है। वे घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, वैवाहिक बलात्कार, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों आदि का शिकार बन जाती हैं। महिलाओं की भूमिका को व्यवस्थित रूप से घर की चार दीवारों तक सीमित कर दिया गया है और समाज में उनकी जो भी भूमिका हो सकती थी, उसे विनम्रता के नाम पर छीन लिया गया है। महिलाओं की शिक्षा रोक दी गई है और उन्हें अच्छे धार्मिक प्रथाओं के नाम पर दासता का जीवन जीने के लिए मजबूर किया जाता है। पितृसत्ता का सार हमारे दिमाग में इस तरह अंतर्निहित हो गया है कि हमें अक्सर इसका एहसास भी नहीं होता है कि हम इसे कब और कैसे व्यवहार में लाते हैं। प्रतिबंधों का लड़कियों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है। जब लड़कियों को लगातार बताया जाता है कि वे क्या नहीं कर सकती हैं या उन्हें क्या नहीं करना चाहिए, तो वे यह मानने लगती हैं कि वे अपने लक्ष्य हासिल करने में सक्षम नहीं हैं। इससे महत्वाकांक्षा की कमी और जोखिम लेने का डर पैदा हो सकता है। वह एक अलग कैरियर मार्ग चुन सकती है जिसके बारे में वह भावुक नहीं है। इसके अलावा, लड़कियों पर लगाए गए प्रतिबंध उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकते हैं। वे अपने ऊपर लगाई गई अपेक्षाओं के कारण फंसा हुआ और घुटन महसूस कर सकते हैं, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है। उदाहरण के लिए, जिस लड़की को लगातार विनम्र रहने और ध्यान आकर्षित करने से बचने के लिए कहा जाता है, वह अपने शरीर को लेकर शर्म महसूस कर सकती है और शारीरिक छवि के मुद्दों से जूझ सकती है। पुरुषों में 29.3% की तुलना में महिलाओं में न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों से होने वाली विकलांगता में अवसादग्रस्त विकारों का योगदान 41.9% के करीब है।

ज्यादातर महिलाएं अकेले यात्रा करने या रात में बाहर जाने को लेकर संशय में होंगी। भले ही यह उन्हें निर्भया को हुए नुकसान से नहीं बचाएगा, फिर भी, उन्हें किसी ज्ञात व्यक्ति की संगति में सुरक्षा की मनोवैज्ञानिक भावना मिलेगी।

लेकिन यह कहना कि केवल महिलाएं ही इस मानसिकता की शिकार हैं, आधा सच होगा। हाल के दिनों में, पुरुषों पर पितृसत्ता के प्रभाव के संबंध में अधिक जागरूकता उत्पन्न हुई है, विशेष रूप से अनुचित मांग को देखते हुए जिसे उन्हें पूरा करना होता है। प्राचीन काल से, हमारी अधिकांश कहानियाँ एक मजबूत और गुणी व्यक्ति के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं, जो दुनिया पर शासन करने के योग्य है और उसे बिना आंसू बहाए इसके लिए लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसी कहानियों ने मनुष्य पर मर्दानगी के बहुत ऊँचे, फिर भी बहुत जहरीले मानक स्थापित कर दिए हैं। बहुत छोटी उम्र से, ये अप्राकृतिक अपेक्षाएं और नायक परिसर एक प्रभावशाली बच्चे के मनोविज्ञान को आकार देना शुरू कर देते हैं, वे जिस भी क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, उसमें उन्हें अग्रणी बनना होता है। उन्हें केवल मदार्ना भावनाओं, शक्ति, क्रोध, जुनून को महसूस करने की अनुमति है और प्यार, करुणा, पोषण आदि जैसी स्त्री भावनाओं को जगह नहीं देनी चाहिए। इससे उनके दिमाग में संज्ञानात्मक असंगति और संघर्ष पैदा होता है क्योंकि जो कुछ भी होता है उसमें बेमेल प्रतीत होता है। वे महसूस करते हैं और समाज उनसे क्या महसूस करने की अपेक्षा करता है। उन पर जो दबाव डाला जाता है वह आम तौर पर उनके भावनात्मक विकास और संज्ञानात्मक कल्याण को रोक देता है। अंत में अच्छे लोगों को अवसाद, चिंता आदि जैसे मुद्दों का सामना करना पड़ता है और कमजोर नैतिक क्षमता वाले लोग सामूहिक बलात्कार, घरेलू हिंसा, हत्या आदि जैसे अपराध करते हैं। जिन लड़कों को मजबूत और दृढ़ रहना सिखाया जाता है, उन्हें ऐसा महसूस हो सकता है कि उन्हें इन व्यवहारों के माध्यम से अपनी मर्दानगी साबित करने की जरूरत है, जिससे हिंसा और दुर्व्यवहार की संस्कृति पैदा होगी।

अब समय आ गया है कि हम यह समझें कि जब प्रकृति मनुष्यों को क्षमताएं प्रदान करने का निर्णय लेती है तो वह बहुत अधिक उदार होती है। प्रजनन की क्षमता के अलावा प्रकृति लिंग के आधार पर भी भेदभाव नहीं करती। आज हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जहां हमें अपनी इच्छानुसार जीवन जीने और कृत्रिम मानक और बाधाएं बनाने की स्वतंत्रता है, जिसका अर्थ है ज्वार के प्राकृतिक प्रवाह के विपरीत चलना। आज हम उस भूमिका को पहचानते हैं जो महिलाएं आर्थिक विकास में निभा सकती हैं और साथ ही वह भूमिका जो पुरुष परिवार के पोषण में निभा सकते हैं। हम अन्य लिंगों को वैवाहिक और वैवाहिक अधिकार देकर समाज में क्रांति लाने की कगार पर हैं। हमें अपनी महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ अपने पुरुषों को संवेदनशील बनाने से शुरूआत करनी चाहिए। लिंग-तटस्थ टिप्पणियों को बदलना, वेतन समानता, पितृत्व अवकाश आदि जैसे छोटे बदलाव कई स्थानों पर लागू किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया के उदय के साथ, किसी के रोल मॉडल को उसकी उपलब्धियों के आधार पर ढूंढना आसान हो गया है, न कि लिंग के आधार पर। महिलाएं आज लगभग हर क्षेत्र में अधिक जिम्मेदार पदों पर आसीन हो रही हैं। कानूनी स्तर पर भी हमें और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। हमें महिलाओं के लिए नहीं बल्कि लड़कों के हितों की रक्षा के लिए भी लिंग तटस्थ कानूनों की आवश्यकता है। साथ ही, हमें स्वस्थ यौन शिक्षा और विभिन्न लोगों के बीच खुला संचार विकसित करने का प्रयास करना चाहिए।

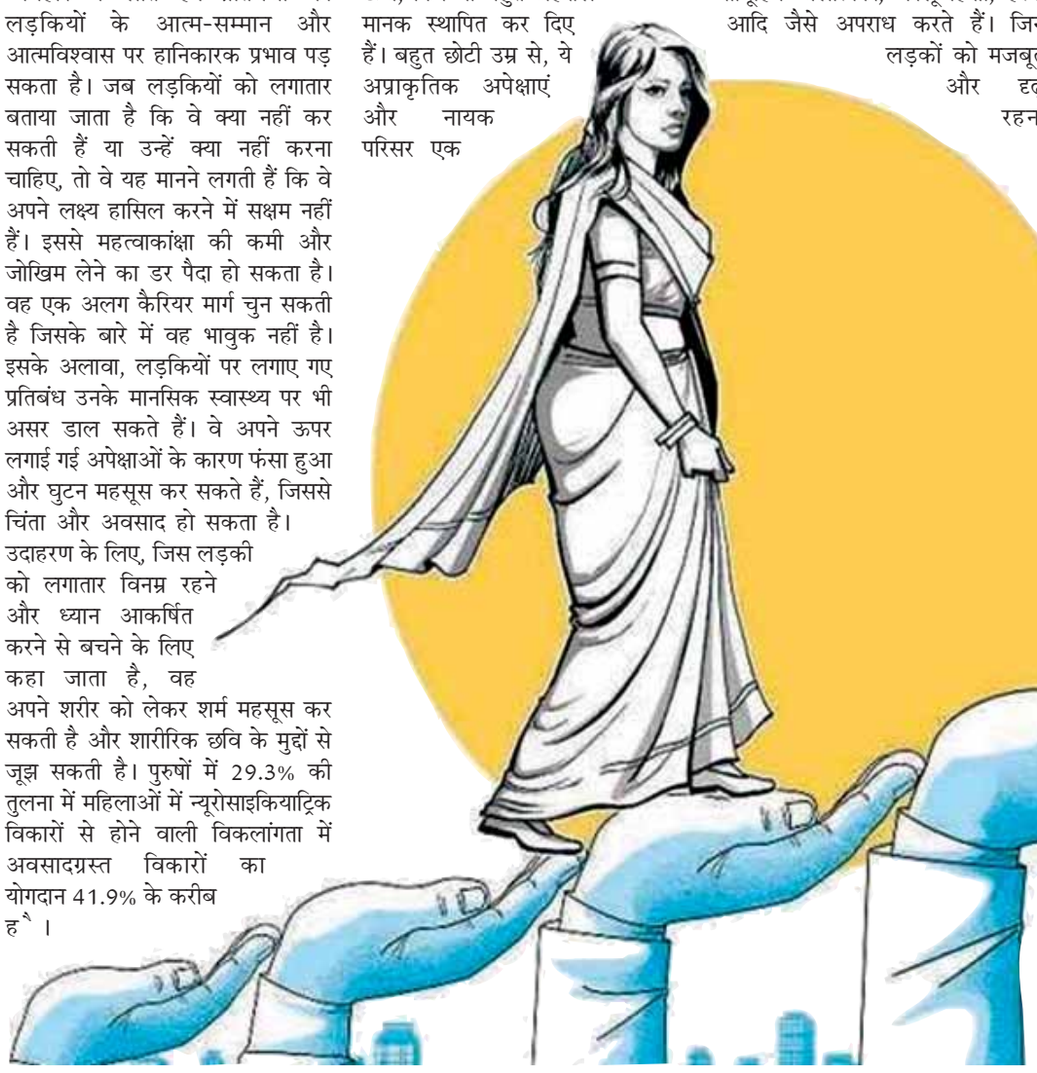

अखिलेश यादव की चुनावी तैयारी देखकर उड़ सकती है भाजपा की नींद

अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। खेती-किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं। चुनाव में जीत-हार बाद का मसला है, लेकिन अखिलेश की तैयारियों से साफ है कि अगर गठबंधन की थोड़ी गुंजाइश बनी भी तो उत्तर प्रदेश में गठबंधन उनकी ही शर्तों पर होगा। अखिलेश जिस तरह जुटे हुए हैं, उससे लगता है कि अगर गठबंधन नहीं भी होता तो भी समाजवादी पार्टी अपने दम पर उतरने में भी नहीं हिचकेगी।

अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह ह्यएकला चलो रेह्ण का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे ह्यबुआ-बबुआह्ण का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते ह्ययूपी के लड़केह्ण कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है।

लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन

भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो।

विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉमूर्ले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम-यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं। अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉमूर्ले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी।

साभार

नींबू के छिलके को फेंकने की ना करें भूल, यूं करें अपनी स्किन को ब्राइटन

बेसन के साथ दूध और नींबू के छिलके का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को अधिक ब्राइटन करने में मदद करेगा। साथ ही साथ, इससे स्किन को हाइड्रेटेड रखने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए आप एक कटोरी में ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या नींबू के छिलके का पाउडर, बेसन और कच्चा दूध डालकर मिक्स करें।

नींबू का इस्तेमाल हम सभी अपनी किचन में करते हैं। लेकिन यह देखने में आता है कि हम इसके छिलके को यूं ही डस्टबिन में फेंक देते हैं। जबकि इसका छिलका भी बडे काम का है। अगर आप चाहें तो इसकी मदद से अपनी स्किन को पैम्पर कर सकते हैं और उसे ब्राइटन कर सकते हैं। नींबू में मौजूद विटामिन सी आपकी स्किन को ब्राइटन करने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप नींबू के छिलकों की मदद से अपनी स्किन को किस तरह ब्राइटन कर सकते हैं-

बेसन और नींबू का छिलके से बनाएं फेस पैक

बेसन के साथ दूध और नींबू के छिलके का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को अधिक ब्राइटन करने में मदद करेगा। साथ ही साथ, इससे स्किन को हाइड्रेटेड रखने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए आप एक कटोरी में ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या नींबू के छिलके का पाउडर, बेसन और कच्चा दूध डालकर मिक्स करें। अब अपनी स्किन को क्लीन करके इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें। अंत में, इसे पानी से धो लें।

नींबू के छिलके और गुलाब जल से बनाएं फेस पैक

यह एक ऐसा फेस पैक है, जो स्क्रब की तरह भी काम करता है। इसलिए, अगर आप अपनी स्किन को ब्राइटन करने के साथ-साथ डीप क्लीन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इस फेस पैक का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक चम्मच ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका और 2 बड़े चम्मच ओट्स लें। इससे पेस्ट बनाने के लिए इसमें गुलाब जल मिक्स करें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 3-4 मिनट तक मसाज करें और फिर इसे 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी से अपने चेहरे को धो लें।

नींबू के छिलके और एलोवेरा जेल से बनाएं फेस पैक

यह एक ऐसा फेस पैक है, जो आपकी स्किन को हाइड्रेशन और नमी प्रदान करता है। इस पैक को बनाने के लिए आप एक बाउल में एक चम्मच ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या आधा चम्मच नींबू के छिलके का पाउडर लें। अब इसमें एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच चंदन पाउडर मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन पर लगाएं और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक शिल्पी सिंघल द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर एफ.एफ.-47, देविका चैंबर, आरडीसी राजनगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया। संपादक शिल्पी सिंघल, कार्यकारी संपादक : संदीप सिंघल, मोबाईल नंबर: 9311450661 फोन न. 0120-4129662, 9311450661 डाक पंजीयन संख्या : UP/GBD-234/2020-22 वार्षिक शुल्क-300 रुपये, किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद के न्यायालय में ही होगा Email:-manasvivani@gmail.com website : www.manasvivani.com

खादर मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा में चूक नहीं होगी बर्दाश्तः एडीजी

- एडीजी ने दो सप्ताह में दूसरी बार परखी सुरक्षा व्यवस्था
- संपर्क रास्तों समेत मेला क्षेत्र रहेगा पुरी तरह जाम मुक्त
- प्रशासनिक वाहनों को भी लेना होगा अनुमति पास
- अधिक गहराई वाले स्थानों पर नहीं होगा गंगा में स्नान

मनस्वी वाणी संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। खादर मेले के सुरक्षा कवच में कोई भी खामी बाकी न रखने की कवायद के तहत एडीजी ने फिर से मेला स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। मिनी कुंभ के रूप में विख्यात महाभारत कालीन पौराणिक कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान खादर मेले के सुरक्षा कवच को इस बार पूरी तरह अभेद्य बनाने की कवायद पिछले कई सप्ताह से चलती आ रही है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रदेश शासन समेत पुलिस महकमा किस कदर गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लग रहा है कि डीएम और एसपी आए दिन यहां की व्यवस्था परखते हुए उनमें व्याप्त खामियों को दूर करा रहे हैं।

जबकि मेरठ जोन के एडीजी राजीव सभरवाल गुरुवार की देर शाम को महज दो सप्ताह के भीतर दूसरी बार मेला स्थल पर सुरक्षा बंदोबस्त परखने पहुंचे। सर्वप्रथम उन्होंने सदर सेक्टर वाले मुख्य गेट के पास मानचित्र के माध्यम से मेले में बनने वाले सेक्टर, मार्ग, स्नान घाटों समेत वीआईपी कैंपों के विषय में जानकारी लेते हुए सुरक्षा से जुड़े. बंदोबस्त की जानकारी भी ली। एडीजी ने मेला क्षेत्र समेत संपर्क रास्तों से लेकर सभी सड़कों को पूरी तरह जाम मुक्त रखने का कड़ा निर्देश दिया। जिला पंचायत विभाग की अपर मुख्य अधिकारी आरती मिश्रा से वार्ता करते हुए मेला क्षेत्र में लगने वाले जाम से निपटने को सभी वाहनों को सेक्टर स्तर पर एंट्री पास देने के साथ ही वीआईपी और प्रशासनिक वाहनों के लिए भी अलग अलग रंग वाले पास आवंटित करने का निर्देश दिया। एडीजी ने अधिक गहराई वाले स्थानों पर गंगा में स्नान करने पर सख्ती से रोक लगाते हुए ऐसी जगह खाई खुदवाते हुए टिन की चादरों से बैरिकेडिंग कराकर वहां पुलिस की ड्यूटी लगाने का निर्देश भी दिया। इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह को गंगा किनारे बने हुए वाच टावर की ऊंचाई नापने के लिए ऊपर चढ़ाया गया, जिससे वाच टावर की ऊंचाई कम होने पर उसकी ऊंचाई बढ़ाने के साथ ही उनमें कुर्सी की बजाए मूढ़े डालने का निर्देश दिया। -सड़क और स्नान घाट के बीच रखे तख्त हटवाए गए-

मेरठ सेक्टर की तरफ जाने वाली सड़क और मुख्य स्नान घाट के बीच कई लोगों ने फूल प्रसाद, धूप बत्ती और पूजा सामग्री बेचने के लिए भूमि घेरते हुए उसमें तख्त डाले हुए थे। जैसे ही एडीजी उस तरफ का दौरा करने गए तो पुलिस ने उन्हें आनन फानन में हटवा दिया।

संक्षिप्त

सृजन यात्रा के लिए से. रा. यात्री किए जाएंगे 'दीपशिखा' सम्मान से अलंकृतः डॉ अजय गोयल

गाजियाबाद(संवाददाता)। साहित्य संवर्धन की दिशा में सक्रिय 'दीपशिखा' संस्थान प्रति वर्ष एक साहित्यकार को सृजन यात्रा के लिए विशेष रूप से सम्मानित करती है। संचालक मंडल ने अवगत करवा है कि इस वर्ष का 'दीपशिखा सम्मान' वयोवृद्ध गांधीवादी साहित्यकार से. रा. यात्री को प्रदान किया जाएगा। संस्थान के ट्रस्टी डॉ. अजय गोयल जो स्वयं स्थापित साहित्यकार हैं ने अवगत करवाया कि श्री यात्री को उनकी सृजन यात्रा के लिए अंग वस्त्र व श्रीफल के अलावा पचास हजार रुपए की राशि भी प्रदान की जाएगी। डॉ गोयल ने बताया कि इससे पूर्व यह सम्मान अशोक अग्रवाल, नफीस आफरीदी व हरिनारायण को प्रदान किया जा चुका है। 'दीपशिखा' संस्थान द्वारा घोषित यह पुरस्कार शनिवार 18 नवंबर को प्रदान किया जाएगा। डॉ. गोयल के अनुसार श्री यात्री की अस्वस्थता के चलते यह पुरस्कार उनके गाजियाबाद स्थित निवास स्थल पर एक सूक्ष्म कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि विगत 50 वर्षों से लेखन में सक्रिय श्री यात्री की देश विदेश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में 300 से अधिक कहानियां, 40 से अधिक कहानी संग्रह, 32 से अधिक उपन्यास के अलावा संस्मरण, व्यंग्य और साक्षात्कार की लगभग डेढ़ सौ पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। जिनमें उपन्यास के रूप में 'दराजों में बंद दस्तावेज', 'लौटते हुए', 'टापू पर अकेले', 'चांदनी के आर-पार', 'बीच की दरार', 'अंजान राहों का सफर', 'कई अंधेरों के पार', 'प्यासी नदीश्, 'एक छत के अजनबी' व 'जिप्सी स्कॉलर', कहानी संग्रह 'दूसरे चेहरे', 'अलग अलग अस्वीकार', 'काल विदूषक', 'धरातल', 'केवल पिता' व 'सिलसिलाश् खासे चर्चित रहे हैं। उनके संस्मरण, व्यंग्य, साक्षात्कार व डायरी के रूप में लगभग डेढ़ सौ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। संचालक मंडल में सुश्री इंदु शर्मा, सुश्री दीपशिखा गोयल, डॉ. अजय गोयल, परम गोयल व वरण गोयल शामिल हैं।

प्राधिकरण ने करीब 50 हजार वर्गमी की अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की, 3 दुकानों को सील भी किया

हापुड़ (मनस्वी वाणी)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन की टीम ने पिलखुवा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग व अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाकर करीब 50 हजार वर्गमी से अधिक अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की और 3 अवैध दुकानों को सील किया गया है। प्राधिकरण सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि गांव लाखन में पुष्पेंद्र चैधरी, शैलेंद्र चैधरी और अमित चैधरी की 40 हजार वर्ग मीटर की अवैध प्लाटिंग, पिलखुवा में अमित सिंह राणा, शिवकुमार की 3 हजार वर्गमी की अवैध प्लाटिंग, जीएस मेडिकल के पास शिवकुमार और हाजी शकील की 4200 वर्ग अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। वहीं मीरापुर गैस गोदाम के सामने योगेश तोमर की 150 वर्ग मीटर की तीन अवैध दुकानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है। इधर, प्राधिकरण वीसी डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि अवैध प्लाटिंग, अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। यदि कोई दोबारा निर्माण कार्य करता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

मुठभेड़ में 1 गोकश को लगी गोली, 2 गोकश हुए फरार

हापुड़ (मनस्वी वाणी)। थाना कपूरपुर पुलिस ने गांव बझैड़ा खुर्द के जंगल में हुई गोकशों से मुठभेड़ करके एक गोकश को दबोच लिया है। जबकि उसके दो साथी मौका पाकर भाग गए। मुठभेड़ के दौरान गोकश पैर में गोली लगने से घायल हो गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार गोकश का नाम शकील पुत्र सदाकत निवासी गांव बझैड़ा है। यह जंगल में अपने दो साथियों के साथ गौकशी कर रहा था। इसके पास पुलिस ने एक जीवित प्रतिबंधित पशु, तमंचा, बाइक, कारतूस, पशु कटान के औजार बरामद हुए है। पुलिस इसके फरार साथियों की तलाश करने में जुट गई है।

एसपी ने परेड का निरीक्षण किया

हापुड़ (मनस्वी वाणी)। एसपी अभिषेक वर्मा ने शुक्रवार की सुबह पुलिस लाइन में स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और परेड की सलामी भी ली। एसपी ने मैस, शस्त्रागार, बैरक, पीआरवी गाड़ी, परिवहन शाखा, अर्दली रूम का निरीक्षण किया और रजिस्टरों को भी चेक कर संबंधित पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सिपाही ने जीता गोल्ड मैडल

हापुड़ में तैनात सिपाही ओमवीर सिंह द्वारा 22वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया है। एसपी अभिषेक वर्मा ने खिलाड़ी सिपाही को 25 हजार रू का नगद इनाम देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी।

एकीकृत निक्षय दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने की वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की स्क्रीनिंग

गाजियाबाद (मनस्वी वाणी)। एकीकृत निक्षय दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को दुहाई स्थित वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में 90 बुजुर्ग निवास कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. भवतोष शंखधर के निर्देशन में निक्षय मित्र ह्लसाथीह्व फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित शिविर में 50 बुजुर्गों ने अपनी स्क्रीनिंग कराई। शिविर में क्षय रोग इकाई से वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस) हरीश ने टीबी के बारे में बताया। उन्होंने कहा- टीबी अब लाइलाज नहीं है, नियमित उपचार के बाद पूरी तरह ठीक हो जाती है। स्वास्थ्य शिविर के दौरान हुई स्क्रीनिंग में सबसे अधिक 24 बुजुर्ग उच्च मधुमेह (डायबिटीज) से पीड़ित मिले। इसके अलावा 20 मोतियाबिंद और 10 उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) से पीड़ित निकले। एक बुजुर्ग के गले में गांठ मिली है, टीबी की संभावना होने के चलते गांठ से सीरम लेकर जांच की जाएगी। आठ बुजुर्गों में टीबी से मिलते-जुलते लक्षण पाए जाने पर जांच के लिए उनका स्पुटम (बलगम का नमूना) लिया गया है। सीएमओ के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुरादनगर की टीम वृद्धाश्रम पहुंची थी। इस टीम में नेत्र सर्जन डा. स्वाति खोखर, फार्मासिस्ट राजेश यादव, एसटीएस हरीश, ऑप्टोमेट्रिस्ट अंशु सिंह और लैब असिस्टेंट विशाल शामिल रहे।

सम्बंध विच्छेद

मैं नवाब कुरैशी पुत्र स्व. मेहरदीन, निवासी - म. नं. - 75/1, गली नं.- 1, कमेला चौक के पास, इस्लाम नगर गाजियाबाद, अपने पुत्र फरमान को दुर्व्यवहार करने, लड़ाई-झगड़ा करने व कहना नहीं मानने से तंग व परेशान होकर उससे अपने समस्त सम्बंध समाप्त कर अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन-देन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी ।

भारत संकल्प यात्रा से गांव होंगे विकसितः डीपीआरओ

मनस्वी वाणी ब्यूरो

हापुड़। भारत संकल्प यात्रा का न्याय पंचायत कस्तला कास्माबाद में आयोजन किया गया। यात्रा में इस न्याय पंचायत के ग्रामीणों और प्रधानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी विभागों के अधिकारियों ने इसमें शिरकत की और अपने विभाग की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

सभी विभागों की ओर से जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए गए। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं डीपीआरओ वीरेंद्र सिंह ने कहा कि इस यात्रा से गांव विकसित होंगे, जनपद विकसित होगा और देश विकसित होगा। सरकार जनता के द्वार जाकर उनको योजनाओं की जानकारी दे रही है और लाभार्थियों की पहचान कर उसका लाभ उनको दे रही है। सरकार की कोशिश है कि लाभार्थी योजनाओं का लाभ लेने से किसी भी रूप में वंचित न रह जाएं। उन्होंने बताया कि इस यात्रा की शुरूआत इस न्याय पंचायत से हो रही है। अन्य न्याय पंचायतों में भी इसी तरह की यात्रा निकाली जाएगी और उसका लाभ ग्रामीणों को दिलाया जायेगा। शुक्रवार को न्याय पंचायत अच्छेजा में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और पंचायती राज विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि, डीसी एनआरएलएम आशा देवी, महिला थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर प्रतिमा त्यागी आदि मौजूद रहे।

पार्षद छाया त्यागी का प्रयास पीड़ितों को जल्द मिले राहत

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा और स्थानीय पार्षद छाया संजय त्यागी द्वारा स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखे जाने पर एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह पीड़ित लोगों के बीच पहुंचे तथा तहसील स्टाफ को क्षेत्रीय पटवारी राम सिंह वृद्धि के नेतृत्व में लगातार नुकसान का आकलन किया तथा एक रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दी गई ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द सरकारी सहायता मिल सके। स्थानीय लोगों ने और पीड़ित परिवारों ने महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा और स्थानीय पार्षद छाया संजय त्यागी द्वारा किए जा रहे मदद कार्य की जमकर भूरी भूरी प्रशंसा की। पीड़ितों के लिए टेंट, रजाई, गद्दे, भोजन तथा रोजमर्रा की जरूर की सभी चीज उपलब्ध करा दी गई है। नगर निगम से पानी के टैंकर सुलभ शौचालय तथा उजाले की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है।

गंगा कार्तिक मेलाः 23 नवंबर से 29 तक रहेगा हाइवे 09 पर रूट डायवर्जन

मनस्वी वाणी ब्यूरो

हापुड़। आज से शुरू हो रहे गंगा कार्तिक मेले के हापुड़ व अमरोहा पुलिस ने ट्रैफिक रूट का प्लान तैयार कर इसे 23 नवंबर से लागू करने का निर्णय लिया है। 29 नवंबर की रात तक हाईवे 9 पर रुट डायवर्जन रहेगा।

एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि मेले के दौरान हाइवे के अलावा मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था दुरूस्त बनाने के लिए मेले में बनाएं गए सभी सेक्टरों व रोड को नंबर दिए जा रहे है। ताकि लोग अपने नंबर की रोड को याद कर अपने डेरे तक आसानी से आ जा सके। इसके अलावा पुलिस हेल्पलाइन नंबर भी सक्रिय रहेगा। उन्होंने बताया कि वैसे तो 23 नवंबर से रूट डायवर्ट है लेकिन हाइवे पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है तो तभी रूट डायवर्ट कर दिया जाएगा।

यह रहेगा रुट डायवर्जन

- दिल्ली पंजाब राजस्थान से मुरादाबाद बरेली को जाने वाला यातायात लाल कुआं से दादरी नरौरा चंदौसी के रास्ते मुरादाबाद को जाएंगे।
- गाजियाबाद से मुरादाबाद जाने वाला यातायात सोना पेट्रोल पंप से होते हुए बुलंदशहर, बबराला, चंदौसी के रास्ते मुरादाबाद को जाएंगे।
- हापुड़ से जाने वाले सोना पेट्रोल पंप होते हुए नरौरा, बहजोई,चंदौसी के रास्ते मुरादाबाद को जाएंगे।
- अलीगढ़ जाने वाला यातायात को सोना पेट्रोल पंप से होते हुए बुलंदशहर से होते हुए जाएंगे। वहीं अलीगढ़ से देहरादून को जाने वाला यातायात ततारपुर चैराहे से होते हुए मेरठ के रास्ते जाएंगे।
- दिल्ली से मुरादाबाद जाने वाला यातायात दिल्ली से वाया डासना ईस्टर्न पैरीफेरल से बुलंदशहर नरौरा डिबाई से होते हुए जाएंगे।
- मेरठ से मुरादाबाद जाने वाला यातायात मेरठ वाया मवाना रोड मीरापुर बैराज बिजनौर सिटी होते हुए जाएंगे।
- मुरादाबाद से गाजियाबाद दिल्ली जाने वाला यातायात मुरादाबाद, छजलैट कांठ-धामपुर-नगीना होते हुए गाजियाबाद को जाएंगे।
- गजरौला से दिल्ली गाजियाबाद जाने वाला यातायात गजरौला चैपला से मंडी धनौरा, हल्दौर होते हुए गाजियाबाद को जाएंगे।
- मेरठ से बुलंदशहर संभल रामपुर को जाने वाला यातायात किठौर, मुदाफरा ततारपुर अंडर पास से होते हुए बबराला बहजोई होते हुए जाएंगे।

कंट्रोल रुम में बढ़ाई जाएंगी व्यवस्था

इस बार कंट्रोल रुम में नेटवर्किंग की अच्छी व्यवस्था कराई जा रही है। जहां पर लोकल टोल फ्री नंबर पर काम करा जाएगा।

मोबाइल पर दिखाई देगा मेला

प्रयास किया जा रहा है कि मेले में जो सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं उनको अधिकारियों के मोबाइल से अटैच किया जाए। ताकि अधिकारी की लोकेशन जहां भी रहेगी वहां से वह मेले को देखता रहेगा।

नाहल गांव में मुर्गी फार्म पर मिला संगदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति का मिला शव

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव के पास स्थित इस दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के नीचे मुर्गी फार्म पर संघ परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लिहाजा घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्राम प्रधान तसवार अली ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव का ही रहने वाला 35 वर्षीय शाहनवाज पुत्र जमील निवासी ग्राम नाहल दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के नीचे जंगल में मुर्गी फार्म चलाता है और सुबह सूचना मिली कि उसका शव मुर्गी फार्म में ही पड़ा है । सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और देखा कि शव उल्टा पड़ा है। हालांकि मौत का स्पष्ट कारण नहीं पता चल पा रहा है। इस लिहाज से पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच पड़ताल की बात कर रही है। एसीपी नरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह कंट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई की नाहल गांव मुर्गी फार्म पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है । सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया। जिसकी पहचान 35 वर्षीय शाहनवाज पुत्र जमीन के रूप में हुई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि मौत का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत का स्पष्ट कारण पता चल पाएगा।

महानगर में पहली बार होगा पंकज प्रसून का साइनटेनमेंट

शंभू दयाल कॉलेज में होगा विज्ञान और कविता का अनूठा संगम

मनस्वी वाणी, संवाददाता

गाजियाबाद। शनिवार 18 नवंबर को महानगर के शंभू दयाल इंटर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय कवि और वैज्ञानिक पंकज प्रसून अपनी साइनटेंमेंट की प्रस्तुति देंगे। यह आयोजन नक्षत्र फाउंडेशन की शैक्षिक दक्षता वृद्धि व्याख्यानमाला के अंतर्गत कियान फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर छात्रों द्वारा 'दिल्ली एनसीआर की हवा' विषय पर डॉ. ऋचा आर्या के नेतृत्व में 'पोस्टर पोयट्री' का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

कॉलेज के प्राचार्य देवेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि इस शो में कवि एवं वैज्ञानिक पंकज प्रसून मॉलेक्युलर बायोलॉजी, न्यूक्लियर फिजिक्स, एटॉमिक साइंस, इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, केमिकल साइंस, कार्डियो वैस्कुलर साइंस, पर्यावरण विज्ञान के तमाम गूढ़ सिद्धांतों, नियमों को हास्य शैली में प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य भाषा और रोचक शैली में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करना है। पंकज प्रसून का यह शो देश के कई आईआईटी संस्थानों, देश विदेश की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, लखनऊ विश्व विद्यालय के शताब्दी समारोह सहित तमाम प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों में आयोजित किया जा चुका है।

श्री प्रसून का मानना है कि साइंस को सीरियस नहीं बल्कि सेलिब्रेशन बनाने की जरुरत है। तभी असल मायने में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार होगा। श्री प्रसून कहते हैं कि नर्सरी के बच्चों को हम अगर रोचक कविताओं के जरिए विज्ञान समझाएं तो उनके अंदर वैज्ञानिक अभिरुचि विकसित होगी। वह इसे जन जागरण का भी जरिया मानते हैं। गौरतलब है कि सम्मानित कवि पंकज प्रसून केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी हैं।प्राचार्य देवेंद्र कुमार के अनुसार कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें सीएसआईआर, एचआरडीसी की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शोभना चौधरी, वरिष्ठ साहित्यकार सुभाष चंदर, 'कथा रंग' के संचालक आलोक यात्री, कियान फाउंडेशन के संस्थापक अशोक गुप्ता एवं शहर के गणमान्य साहित्यकार, कवि और समाजसेवी भी उपस्थित रहेंगे।

छट घाट की व्यवस्था हेतु निगम ने किये पुख्ता इंतजाम

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

264 सफाई कर्मी, 64 डस्टबिन, 8 मोबाइल टॉयलेट, 102 पानी की टोटी, 18 चेंजिंग रूम की निगम ने घाटों पर की विशेष व्यवस्था

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। महापर्व छठ पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में बेहतर व्यवस्था कराई जा रही है, जिसके क्रम में विभागीय अधिकारियों की ड्यूटी भी तय की गई है। नगर आयुक्त के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा छठ स्थलों पर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ की गई है जिसके क्रम में 64 डस्टबिन की व्यवस्था, आठ मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, 264 सफाई कर्मचारियों की टीम, 102 पानी की टोटी, 18 चेंजिंग रूम, व अन्य आवश्यक व्यवस्था को घाटों पर व्यवस्थित किया गया है, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश द्वारा बताया गया कि घाटों पर विसर्जन होने वाली पूजन सामग्री को बैरिकेटिंग के माध्यम से व्यवस्थित करने की भी योजना बनाई गई है, नगर आयुक्त महोदय द्वारा जल कुंभी को व्यवस्थित करने के लिए सिंचाई विभाग की टीम को बढ़ाने के लिए निर्देश दिए हैं।

निविदा आमंत्रित लगभग 67 छठ घाटों पर पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी द्वारा बताया गया की पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी चिन्हित छठ घाटों पर रंगी पुताई का कार्य तथा टूट-फूट को सही करने का कार्य नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार कराया जा रहा है निर्धारित रूट पर भी मार्गों पर संबंधित अधिकारी गण निरीक्षण कर रहे हैं, श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मार्गो के साथ-साथ छट घाट पर भी प्रकाश की विशेष व्यवस्था की गई है नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में मुख्य छट घाट हिंडन तट पर लाइट की विशेष व्यवस्था के लिए कहा गया है, छठ घाट को आकर्षक और व्यवस्थित बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम जुटा हुआ है।

नगर आयुक्त द्वारा शहर वासियों तथा श्रद्धालुओं से छठ महोत्सव तथा अन्य आयोजित कार्यक्रमों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अपील की गई है, मुख्य हिडन छठ घाट पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा होल्डिंग के माध्यम से आगंतुकों को छठ महापर्व को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूक किया गया है'

महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में महापर्व छठ पर घाटों को व्यवस्थित करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्था करने के विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, महाप्रबंधक जल आनंद त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि मुख्य छठ घाट हिंडन तट पर टैंकरों के माध्यम से गंगाजल की व्यवस्था भी कराई गई है अन्य छठ घाटों पर भी पूजा अर्चना हेतु जल की व्यवस्था कराई गई है' गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सराहनीय कार्यवाही की जा रही है जिसमें जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग निगम को प्राप्त हो रहा है।

छठ महापर्व को लेकर हिंडन छठ घाट पर नगर निगम की तैयारियां जोरों पर

ट्रांस हिंडन। हिंडन छठ घाट पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ महापर्व मनाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचते पहुचे की सम्भवना को देखते हुए नगर निगम गाजियाबाद द्वारा बड़े स्तर पर तैयारी की जारही है। इस कड़ी में लगतार निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी हिंडन छठ घटा पर पहुचने का जायजा ले रहे है। इस कड़ी में आज सुबह नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने हिंडन छठ घाट का स्थलीय निरीक्षण कर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पिछले कई दिनों से छठ महापर्व को लेकर नगर निगम द्वारा हिंडन छठ घाट पर तैयारियां की जा रही थी। जो अब अंतिम दौर में हैं। नगर निगम के मोहन नगर जोन के जोनल प्रभारी आर पी सिंह का कहना कि आज शाम तक तैयारी को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि छठ पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध करने के लिए पानी की पाइप लाइन बिछाई गई है। साथ ही पूरे हिंडन छठ पर प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइट की व्यवस्था की गई। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने त्वरित सफाई दल के साथ साथ सफाई कर्मियों की कई टीमें लगाई गई है जो शिफ्ट के अनुसार कार्य करेंगी साथ ही पूरे छठ घाट के समीप शौचालयों की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि घाट पर श्रद्धालुओं की मदद के लिए कंट्रोल रूम भी मनाया गया है। यह कंट्रोल रूम 24 घन्टे श्रद्धालुओं की मदद के लिए सक्रिय रहेगा।

छठ के महापर्व की समय से होंगी तैयारी पूर्ण: महापौर

दीपावली के बाद छठ आता है नगर निगम ने लगातार काम किया है और इसी प्रकार अब छठ घाटो पर भी लगातार कार्य कर रहा है, महापौर सुनीता दयाल ने पूर्व में ही दीपावली एवं छठ की तैयारीयों के निर्देश दिए थे जिसके चलते दीपावली के त्यौहार पर नगर निगम ने अच्छा कार्य किया और अब छठ पूजा हेतु कार्य मे लग गया है।

महापौर सुनीता दयाल ने सभी अधिकारियों को फिर से निर्देशित किया है कि शहर के सभी छठ घाटों की साफ सफाई, रंगाई पुताई,तालाब की खुदाई,पानी की व्यवस्था, गंगा जल की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था आदि सब समय से होनी चाहिए। पूर्व में हिण्डन घाट के सौंदर्यीकरण हेतु रेड स्टोन की बात आई जिसके लिए महापौर ने जल्द से जल्द निगम अधिकारियों को निर्देशित कर हिण्डन नदी के घाट के सौंदर्यीकरण के लिए रेड स्टोन लगवाया गया है जिससे घाट बहुत साफ और सुंदर दिखाई दे रहा है, जल्द ही सभी छठ घाटों का कार्य समय से पूर्ण होगा। छठ पूजा के लिए महापौर सहित सभी अधिकारी, मा. पार्षद एवं कर्मचारी कार्य कर रहे हैं जिससे शहर में छठ का पर्व बहुत धूम धाम से मनाया जा सके।

जनरल के प्रस्ताव को मिली हरी झंडी

मुरादनगर, भोजपुर और रजापुर की 12 सड़कों की होगी काया पलट

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल डॉक्टर विजय कुमार सिंह ने गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र के मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में विकासखंड मुरादनगर, भोजपुर और रजापुर की 12 सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए जो प्रस्ताव गन्ना परिषद को भेजा था। उन सभी प्रस्तावों को गन्ना परिषद द्वारा स्वीकृति मिल गई है। सभी कार्यों को पूर्ण कराने के लिए गाना परिषद ने पीडब्ल्यूडी विभाग को धन आवंटित कर दिया है। जल्द से जल्द यह सभी सड़के बेहतर होगी और इनका लाभ सभी क्षेत्रवासियों को मिलेगा। गाजियाबाद के माननीय सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल डॉक्टर विजय कुमार सिंह गाजियाबाद की जनता के लिए, गाजियाबाद के विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध होकर कार्य करने में लगे हुए हैं।

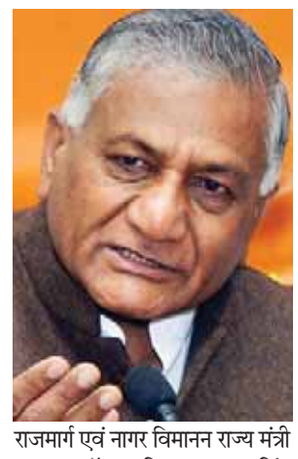

राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल डॉक्टर विजय कुमार सिंह

सड़कों की सूची इस प्रकार है

विकास खण्ड मुरादनगर में

- 27.470 लाख रुपये की लागत से 0.900 किलोमीटर लंबी सलेमाबाद पुल से ढिढार मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 34.903 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर लंबी ग्राम हिसाली दुहाई मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 40.884 लाख रुपये की लागत से 1.200 किलोमीटर लंबी कुन्हेडा से मौहम्मदपुर मार्ग प्रथम भाग मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 34.085 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर लंबी कुन्हेडा से मौहम्मदपुर मार्ग द्वितीय भाग मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 16.837 लाख रुपये की लागत से 0.400 किलोमीटर लंबी एन.एच. 58 से ग्राम अबूपुर मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 22.600 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर लंबी अबूपुर सम्पर्क मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 27.838 लाख रुपये की लागत से 1.130 किलोमीटर लंबी बन्दीपुर नाला से डिडौली मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 24.494 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर लंबी धौलडी बागपत रोड मतौर मार्ग प्रथम भाग का सुदृढ़ीकरण
- 22.858 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर धौलडी बागपत रोड मतौर मार्ग द्वितीय भाग का सुदृढ़ीकरण

भोजपुर विकास खण्ड

- 16.905 लाख रुपये की लागत से 1.000 किलोमीटर लंबी मोदीनगर हापुड़ फरीदनगर रोड से भोजपुर मार्ग का सुदृढ़ीकरण
- 22.403 लाख रुपये की लागत से 1.150 किलोमीटर लंबी सिखेडा हजारी से फफराना मार्ग का सुदृढ़ीकरण

रजापुर विकास खण्ड

- 30.941 लाख रुपये की लागत से 8.00 किलोमीटर लंबी मुरादनगर नहर की पटरी से जलालाबाद मार्ग प्रथम भाग का सुदृढ़ीकरण

सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण नहीं

प्रधान महालेखाकार द्वारा किए गए ऑडिट में खुलासा हुआ

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण नहीं हैं। इसको लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने ऐतराज जताया है। साथ ही सरकारी और निजी अस्पतालों को सरकारी पोर्टल पर अपना पंजीकरण करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के क्लीनिकल स्टेब्लिशमेंट पोर्टल पर सभी चिकित्सा इकाइयों का पंजीकरण किए जाने का प्रावधान है। इनमें सभी सरकारी और निजी सरकारी अस्पताल शामिल है। प्रदेश के प्रधान महालेखाकार द्वारा किए गए ऑडिट में खुलासा हुआ है कि जिले के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और संयुक्त अस्पतालों का पंजीकरण पोर्टल पर नहीं किया गया है। इस पर प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से प्रधान महालेखा करने आपत्ति जताते हुए टिप्पणी की है। इसको देखते हुए चिकित्सा स्वास्थ्य महानिदेशक डॉक्टर दीपा त्यागी ने प्रदेश के सभी चिकित्सा अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेज कर पोर्टल पर पंजीकरण न किए जाने पर ऐतराज जताया है। उन्होंने सभी राज्य के चिकित्सा इकाइयों को पोर्टल पर पंजीकरण करने के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर का कहना है कि सभी सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारियों को पंजीकरण एवं नियमितीकरण नियमावली 2016 के तहत ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करने के निर्देश दे दिए गए हैं। जिन चिकित्सा इकाइयों ने पंजीकरण नहीं कराया है, वह जल्द ही ऑनलाइन पंजीकरण करा लेंगे।

कब्र से पांच साल की बच्ची का शव निकाला फिर उसके साथ सो गया, देखकर कांप गए पिता

वाराणसी । दशाश्वमेध क्षेत्र के सदानंद बाजार निवासी एक व्यक्ति की पांच वर्षीय बीमार बेटी की उपचार के दौरान अस्पताल में बुधवार को मौत हो गई थी। रात लगभग 9:30 बजे बच्ची का शव रेवड़ी तालाब क्षेत्र स्थित कब्रिस्तान में दफनाया गया। बच्ची के पिता ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर वह अपनी बेटी की कब्र देखने गए थे। कब्र के ऊपर की मिट्टी असामान्य प्रतीत होने पर उन्हें शंका हुई। उन्होंने कब्र को खुदवाया तो उसके अंदर से उनकी बेटी का शव गायब था। रेवड़ी तालाब क्षेत्र स्थित कब्रिस्तान की एक कब्र से पांच साल की बच्ची का शव निकालकर उसके बगल में नशे में धुत एक युवक सोया हुआ था। मासूम के पिता की सूचना पर लक्सा थाने की पुलिस ने आरोपी रेवड़ी तालाब निवासी मोहम्मद रफीक उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया है।

टैक्स विभाग की नगर आयुक्त ने लगाई क्लास

मनस्वी वाणी संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में टैक्स विभाग की अहम बैठक हुई नगर आयुक्त द्वारा बैठक में संपत्ति कर तथा करेत्तर की वसूली बढ़ाने की योजना बनाई जिसके क्रम में अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ति के साथ-साथ अन्य सर्वे करने के लिए भी निर्देश दिए। नगर आयुक्त द्वारा जहां सितंबर माह की वसूली को लेकर टीम की प्रशंसा की वही आगे भी बेहतर कार्य करने के लिए टीम को मोटिवेट किया, राजस्व निरीक्षक तथा अन्य टीम में जिनके द्वारा कार्य में लापरवाही दिखाई गई है उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के लिए भी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए, नगर आयुक्त ने ऐसे भवन जो टैक्स से छूटे हुए हैं उन पर अविलंब टैक्स लगाने के लिए कहा, वसुंधरा तथा विजयनगर के जोनल प्रभारी को अधिक मेहनत करने के लिए निर्देश दिए साथ ही लापरवाही पाए जाने पर कठोर निर्णय लिया जाएगा इस प्रकार टीम को टैक्स वसूली बढ़ाने के लिए कहा गया।

नगर निगम टैक्स विभाग पिछले वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष 50फीसदी वृद्धि सहित निर्धारित लक्ष्य की वसूली को लेकर कार्य कर रहा है, जिसके क्रम में वसुंधरा जोन को 15 दिन के भीतर लगभग 8 करोड़ 22 लाख, मोहन नगर जोन को लगभग 1 करोड़ 91 लाख, कवि नगर जोंन को लगभग 3 करोड़ 97 लाख, सिटी जोन को लगभग 01 करोड़ 61 लाख, विजयनगर जोन को लगभग 70 लाख की वसूली करनी है' नगर आयुक्त द्वारा नियम अनुसार कार्यवाही करते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश टीम को दिए जिसके क्रम में गाजियाबाद नगर निगम का टैक्स विभाग वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। कवि नगर जोन के आर. आई. राजू पाल, निशा तथा मोहन नगर जोन के आर. आई. धनवीर के कार्यों की हुई प्रशंसा* जिसके क्रम में नगर आयुक्त द्वारा बैठक में बेहतर कार्य करने वाले राजस्व निरीक्षक को सम्मानित भी किया, वार्ड संख्या 30,62,67 मे राजस्व निरीक्षक राजू पाल कवि नगर जोन द्वारा 65% की वसूली की गई, कवि नगर जोन निशा द्वारा वार्ड संख्या 42,56,91 मे 61फीसदी की वसूली की गई इसी प्रकार मोहन नगर जोन के धनवीर आर आई द्वारा वार्ड संख्या 20,38,73,86, मे लगभग 60% की वसूली की है जिसके लिए बैठक में इनको सम्मानित किया गया।

☞ निगम की आय बढ़ाने को लेकर नगर आयुक्त का जारी है प्रयास, संपत्ति कर के साथ करेत्तर पर दिया विशेष ध्यान